इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रात: संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

दावा

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

वर्ष- 43 अंक -180 राजनांदगांव, शुक्रवार 17 मई 2024 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

आजमगढ़ में बोले पीएम मोदी- सपा-कांग्रेस दल दो, लेकिन दुकान एक, बेचते हैं झूठ, तुष्टिकरण, परिवारवाद का सामान

आजमगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि मोदी की गारंटी का मतलब क्या होता है, इसका ताजा उदाहरण नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) है जिसके तहत शरणार्थियों को भारत की नागरिकता देने का काम कल शुरू हो चुका है। इसके साक विपक्षी दलों समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा, सपा-कांग्रेस, दल दो हैं, लेकिन दुकान एक ही है। ये झूठ का सामान बेचते हैं, ये तुष्टिकरण का, परिवारवाद का और भ्रष्टाचार का सामान बेचते हैं।

मोदी बृहस्पतिवार को आजमगढ़ से भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ और लालगंज से पार्टी प्रत्याशी नीलम सोनकर समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मोदी की गारंटी का मतलब क्या होता है, इसका ताजा उदाहरण सीएए कानून है। कल ही सीएए कानून के तहत शरणार्थियों को भारत की नागरिकता देने का काम शुरू हो चुका है। ये लोग शरणार्थी बनकर लंबे अर्से से हमारे देश में रह रहे हैं। ये लोग धर्म के आधार पर हुए भारत के बंटवारे के शिकार बने थे।

उन्होंने कहा कि इन शरणार्थियों पर 'वहां' तो जुल्म हुआ ही, लेकिन वोट बैंक की राजनीति में लिप्त यहां की सरकारों तथा उनके साथियों ने भी इन पर जुल्म करने में कोई कमी नहीं की। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन वाले कहते हैं कि मोदी सीएए लेकर आया है और जिस दिन मोदी जाएगा, यह सीएए भी जाएगा। उन्होंने कहा ''जनता जान गई है कि आप लोगों ने वोट बैंक की राजनीति करके, हिंदू-मुसलमान को लड़ाकर धर्मनिरपेक्षता का ऐसा चोला पहन लिया था कि आपकी असलियत बाहर नहीं आ रही थी। लेकिन मोदी ने आपकी सच्चाई उजागर कर दी है। आपने देश को सात दशक तक साम्प्रदायिकता की आग में जूझने के लिए मजबूर कर दिया था।''

कश्मीर का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, मोदी ने कश्मीर में शांति की गारंटी दी थी। मोदी ने अनुच्छेद 370 की दीवार गिराई। पूर्व में चुनाव के दौरान हड़तालें होती थीं, आतंकी धमकी देते थे, लेकिन इस बार श्रीनगर में पिछले अनेक चुनावों के रिकॉर्ड टूट गए। विपक्षी दलों समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा, सपा-कांग्रेस, दल दो हैं, लेकिन दुकान एक ही है। ये झूठ का सामान बेचते हैं, ये तुष्टिकरण का, परिवारवाद का और भ्रष्टाचार का सामान बेचते हैं।

दोहराया कि सपा और कांग्रेस देश के बजट को विभाजित कर, 15 प्रतिशत अल्पसंख्यकों को आवंटित करना चाहते हैं। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' तुष्टिकरण के दलदल में पूरी तरह धंस चुका है। आरोप लगाया '' समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेता राम मंदिर को लेकर आए दिन घटिया बातें कर रहे हैं। कांग्रेस के शहजादे ने तो राम मंदिर को गालियां देने का मिशन ही चला रखा है।'' आजमगढ़ में 25 मई को लोकसभा चुनाव के छठवें चरण में मतदान होगा।

स्वाति मालीवाल ने दी लिखित शिकायत- तीन दिन बाद खुलकर बोलीं आप सांसद, पुलिस ने दर्ज किए बयान

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने आखिरकार गुरुवार को तीन दिन बाद सीएम आवास पर अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार के द्वारा की गई बदसलूकी के मामले में लिखित शिकायत दर्ज करवाई। दिल्ली पुलिस की एक टीम स्वाति के घर पहुंची और उनका बयान दर्ज किया। करीब चार घंटे उनके आवास पर रही पुलिस टीम में स्पेशल सेल के एडिशनल सीपी और एडिशनल डीसीपी नॉर्थ शामिल थे।

स्वाति ने एक्स पर इस बात की पुष्टि करते हुए लिखा, मेरे साथ जो हुआ वो बहुत बुरा था। मेरे साथ हुई घटना पर मैंने पुलिस को अपना स्टेटमेंट दिया है। मुझे आशा है कि उचित कार्यवाही होगी। पिछले दिन मेरे लिए बहुत कठिन रहे हैं। जिन लोगों ने प्रार्थना की उनका धन्यवाद करती हूं। जिन लोगों ने चरित्र हनन करने की कोशिश की, ये बोला की दूसरी पार्टी के इशारे पर कर रही है, भगवान उन्हें भी खुश रखे। देश में अहम चुनाव चल रहा है, स्वाति मालीवाल ज़रूरी नहीं है, देश के मुद्दे ज़रूरी हैं। बीजेपी वालों से खास गुजारिश है इस घटना पे राजनीति न करें।

बिभव सरकारी कर्मचारी के साथ मारपीट के मामले में बर्खास्त हुए

मार्च 2024 में बिभव को छ्रू के पर्सनल सेक्रेटरी के पद से बर्खास्त कर दिया गया था। स्पेशल सेक्रेटरी विजिलेंस वाईवीजे राजशेखर ने आदेश जारी कर कहा था कि बिभव की सेवाएं तत्काल प्रभाव से खत्म कर दी गई हैं। उनकी नियुक्ति के लिए निर्धारित प्रक्रिया और नियमों का पालन नहीं किया गया। इसलिए ये नियुक्ति अवैध और शून्य करार दी जाती है। राजशेखर ने ये आदेश 2007 के एक मामले के आधार पर दिया।

दरअसल, 2007 में बिभव पर एक सरकारी अधिकारी के साथ कथित तौर पर मारपीट का आरोप लगा था। नोएडा विकास प्राधिकरण में तैनात महेश पाल ने बिभव पर आरोप लगाया था कि उन्होंने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर शिकायतकर्ता (एक पब्लिक सर्वेंट) को उसकी ड्यूटी करने से रोका, उसे गाली और धमकी दी। महेश ने 25 जनवरी 2007 को नोएडा सेक्टर-20 के पुलिस थाने में इसकी शिकायत दर्ज करवाई थी। इस मामले में दिल्ली के उपराज्यपाल की ओर से भी एक्शन लिया गया था।

कांग्रेस ने पिछड़ों को कभी नहीं दी उचित हिस्सेदारी - शाह

सीतामढ़ी। केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने आरोप लगाया कि आजादी के बाद से कांग्रेस ने कभी भी पिछड़ों को उचित हिस्सेदारी नहीं दी वहीं नरेंद्र मोदी सरकार ने न केवल उन्हें उचित सम्मान दिया बल्कि शासकीय सेवाओं एवं शैक्षणिक संस्थानों में उनके लिए आरक्षण सुविधाओं का भी विस्तार किया।

श्री शाह ने गुरुवार को यहां सीतामढी लोकसभा सीट से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार देवेश चंद्र ठाकुर के समर्थन में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के बाद से कांग्रेस ने कभी भी पिछड़ों को उचित हिस्सेदारी नहीं दी। काका कालेलकर समिति ने वर्ष 1955 में अपनी रिपोर्ट दी थी, जिसमें सरकारी सेवाओं में पिछड़ों को आरक्षण देने की सिफारिशें की गई थी लेकिन पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया था। इसी तरह मंडल आयोग ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल के दौरान सरकारी सेवाओं में पिछड़ों को आरक्षण देने के लिए अपनी रिपोर्ट दी थी लेकिन फिर से उसके साथ वही किया गया, जो 1955 में काका कालेलकर समिति की रिपोर्ट के साथ किया गया था।

भाजपा नेता ने कहा, जब मंडल आयोग की सिफारिश को लागू करने के लिए लोकसभा में बहस हुई थी तो राहुल गांधी के पिता स्व. राजीव गांधी ने दो घंटे से अधिक समय तक सदन में इसका कड़ा विरोध किया था। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा संचालित सभी शैक्षणिक संस्थानों में पिछड़ों को आरक्षण दिया। पिछड़ा आयोग को भी इसी सरकार ने वैधानिक दर्जा दिया, जिसे कांग्रेस लंबे समय से नकार रही थी।

श्री शाह ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने महान सामाजिक नेता जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित करने के बारे में कभी नहीं सोचा था। उन्होंने कहा कि श्री यादव वर्ष 2004 से पांच साल तक केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (सरकार) के दौरान एक प्रभावशाली मंत्री थे और राजद भी 1990 से 15 साल तक बिहार में सत्ता में रही लेकिन उन्होंने कभी भी कर्पूरी ठाकुर के सम्मान की परवाह नहीं की।

नकारात्मक राजनीति करती है भाजपा- कांग्रेस

रायबरेली। कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने अमेठी के विकास में गांधी परिवार के योगदान का बखान करते हुये आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नकारात्मक राजनीति करती है।

श्री खेड़ा ने गौरीगंज स्थित केंद्रीय कांग्रेस कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत में कहा अमेठी से चुनकर गये राजीव गांधी ने अपने प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल में भोजन का अधिकार, सूचना का अधिकार, जमीन के अधिकार, शिक्षा का अधिकार देश की जनता को दिये। वह सूचना संचार क्रांति लाए, इसलिये समूची कांग्रेस अमेठी की माटी की ऋणी है। उन्होने कहा कि भाजपा सिर्फ लड़ाने का काम करती है, और नकारात्मक राजनीति करती है, पिछले 10 साल में जो स्थिति इस देश के नौजवानों की हुई, इस देश के किसानों की हुई, वह सब सामने है। देश के छोटे उद्योग धंधे बंद हो गए, सेना का जवान चार साल में रिटायर किया जाएगा, जबकि प्रधानमंत्री 75 साल में भी मौका मांग रहे हैं। आखिर देश के नौजवानों का क्या दोष है क्या आप उन्हें 22-23 साल की उम्र में रिटायर कर रहे हैं, यह कहां का न्याय है। खेड़ा ने कहा कि यह ऐसे लोग हैं जो समाज में बांटने काम करते हैं बल्कि कांग्रेस के जो नेता स्वर्ग सिधार गये हैं, उनको भी विवाद में दिखाने बांटने की कोशिश करते हैं ऐसे लोगों को सत्ता से बाहर करना हम लोगों का परम कर्तव्य है । उन्होने कांग्रेस प्रत्याशी के.एल.शर्मा को जिताने की अपील करते हुए कहा कि आज अमेठी के लोगों को डराया जाता है, धमकाया जाता है, कोई काम नहीं किया और सवाल पूछने पर मुकदमे लिखवाये जाते हैं। अमेठी की जनता से देश के लोगों को बहुत उम्मीद है वह इसलिए की अमेठी की जनता इतिहास रचती है , इस बार देश को बचाने का जिम्मा अमेठी के लोगों है।

नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई पर अमित शाह ने की छत्तीसगढ़ सरकार की तारीफ, बोले- जल्द पूरी तरह हो जाएगा सफाया

रायपुर। गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में विष्णु सरकार के आने के बाद यहां नक्सलियों के खिलाफ जारी लड़ाई के दौरान मिल रही अभूतपूर्व सफलताओं के लिए सरकार की पीठ थपथपाई है। गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद मात्र साढ़े चार महीने के अंदर 112 नक्सली मारे गए हैं,

लगभग 375 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और 153 नक्सली गिरफ्तार हुए हैं। 5 महीने में अभियान को जबरदस्ती सफलता मिली है। शाह ने कहा कि अब प्रदेश के 3-4 जिलों में ही नक्सली बचे हैं और आगामी 2-3 वर्षों में देश नक्सल समस्या से मुक्त हो जाएगा। कांग्रेस द्वारा इसे फेक एनकाउंटर कहे जाने पर अमित शाह ने गोस्वामी तुलसीदास के एक दोहे का उदाहरण देते हुए कहा कि जिसका बुरा समय आता है, भगवान सबसे पहले उसकी मति हर लेता है। कांग्रेस पार्टी के साथ यही हो रहा है। गृह मंत्री अमित शाह द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार की तारीफ पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उनका आभार जताया है। अपने सोशल मीडिया हैंडल ड्ड पर उन्होंने लिखा है कि, हम नक्सल समस्या के स्थायी समाधान की तरफ आगे बढ़ रहे हैं। गौरतलब है कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के पश्चात नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में तेजी आई है। मात्र साढ़े चार महीने की सरकार में नक्सली लगातार मारे जा रहे हैं, गिरफ्तार हो रहे हैं या सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्य धारा में लौट रहे हैं।

ममता बनर्जी की 'बाहर से समर्थन' देने की बात पर कांग्रेस बोली- दीदी पर भरोसा नहीं

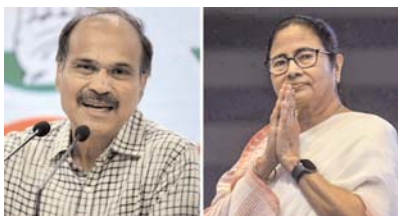

कोलकाता। ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव बाद के अपने समीकरणों पर पत्ते खोलते हुए कहा था कि तृणमूल कांग्रेस केंद्र में बनने वाली इंडी गठबंधन की सरकार में शामिल नहीं होगी और सरकार को बाहर से समर्थन देगी।

इस पर अब कांग्रेस की प्रतिक्रिया भी आ गई है। कांग्रेस की ओर से अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि मुझे ममता बनर्जी पर भरोसा नहीं है। वह गठबंधन छोड़कर भाग गईं। वह आगे भाजपा के साथ भी जा सकती हैं। खैर लोग अब तक कांग्रेस पार्टी को नष्ट करने की बात कर रहे थे। कह रहे थे कि कांग्रेस को 40 से अधिक सीटें नहीं मिलेंगी, लेकिन अब वह (ममता बनर्जी) ऐसा कह रही हैं, तो इसका मतलब है कि कांग्रेस पार्टी और गठबंधन सत्ता में आ रहे हैं। बाहर से समर्थन पर क्या बोली थीं ममता बनर्जी

ममता बनर्जी ने हुगली की रैली में कहा था कि टीएमसी केंद्र में बननी वाली इंडी गठबंधन की सरकार में शामिल नहीं होंगी और बाहर से समर्थन देगी। ममता बनर्जी ने कहा, पश्चिम बंगाल में कोई इंडिया ब्लॉक नहीं है। मैंने विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहां तक कि गठबंधन का नाम भी मेरे द्वारा दिया गया है। लेकिन बंगाल में सीपीआई और कांग्रेस साथ मिलकर भाजपा को फायदा पहुंचा रहे हैं।

माधवीराजे सिंधिया पंचतत्व में विलीन, ज्योतिरादित्य ने दी मुखाग्नि

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की माताजी श्रीमती माधवीराजे सिंधिया की आज यहां हजारों लोगों की मौजूदगी में अंत्येष्टि की गयी।

स्थानीय छत्री क्षेत्र में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपनी माताजी के पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दी। परिजनों, सगे संबंधियों, राजनेताओं और हजारों लोगों ने नम आंखों से श्रीमती माधवीराजे सिंधिया को अंतिम विदाई दी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने श्रीमती सिंधिया की पार्थिवदेह के दर्शन कर उनके चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके पहले प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, राज्य सरकार के अनेक मंत्रियों, भाजपा नेताओं के अलावा विभिन्न राज्यों से आए नेताओं ने भी श्रीमती सिंधिया को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं दिवंगत वरिष्ठ कांग्रेस नेता माधवराव सिंधिया की पत्नी श्रीमती माधवीराजे सिंधिया का बुधवार को दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया था। वे कुछ समय से अस्वस्थ थीं। उनके पार्थिव शरीर को आज सुबह दिल्ली से यहां लाया गया और आम लोगों के दर्शनार्थ 'रानी महल' परिसर में रखा गया। हजारों लोगों ने श्रीमती सिंधिया के अंतिम दर्शन किए और इसके बाद अंतिम यात्रा प्रारंभ हुयी। अंततः स्थानीय छत्री क्षेत्र *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

सुप्रीम कोर्ट से ईडी को मिला झटका, अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दायर याचिका खारिज

इंदौर। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के भाषणों के खिलाफ दायर की गई याचिका को खारिज कर दिया है। ईडी ने दायर याचिका में कहा था कि अरविंद केजरीवाल लगातार अपने भाषणों में कह रहे हैं कि अगर इंडी ब्लॉक को वोट मिलता है, तो उनको 2 जून को जेल नहीं जाना पड़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी के बयानों को सुनकर साफ कहा कि हम कोई भी कार्रवाई नहीं करने वाले हैं। हमने साफ शब्दों में अरविंद केजरीवाल को 2 जून को सरेंडर करने को कहा है। हमने तारीख को तय कर दिया है। ईडी ने आरोप लगाया था कि अरविंद केजरीवाल अपने भाषणों में कह रहे हैं कि मुझे वोट दो, जिससे मुझे जेल नहीं जाना होगा। यह साफ तौर पर उनकी जमानत की शर्तों का उल्लंघन है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के सामने सुप्रीम कोर्ट ने अंतिरिम जमानत देते समय कुछ शर्तें रखी थीं। केजरीवाल अपनी जनसभाओं में उनका साफ तौर पर उल्लंघन कर रहे हैं। वह कह रहे हैं कि आप मुझे वोट दें, जिससे मुझे जेल नहीं जाना पड़ेगा। यह हमारे सिस्टम पर थप्पड़ की तरह है।

फैसले की आलोचना का करते हैं स्वागत

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की इस दलील पर कहा कि वह अपने भाषणों में पहले से एक अनुमान लगा रहे हैं। एक व्यक्ति के अनुमान लगाने पर हम क्या कर सकते हैं। हमने जब फैसला दिया था, तब यह हमको बिल्कुल ठीक लगा था। हमने किसी को कोई विशेष छूट नहीं दी है। अब हमारे इस फैसले की अगर आलोचना हो रही है, तो हम इसका स्वागत करते हैं।

कांग्रेस नेता हत्याकांड की गुत्थी पुलिस ने सुलझाई

नारायणपुर (दावा)। नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिला में कांग्रेस नेता विक्रम बैस के अंधे कत्ल की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस ने दुर्ग, रायपुर और बिलासपुर जिला में छापेमार कार्रवाई कर इस हत्याकांड में शामिल 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त हथियार जब्त किया है। वहीं इस मर्डर का मास्टर माइंड मनीष राठौर बताया जा रहा है, जो कि अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक विक्रम बैस और घटना का मास्टर माइंड मनीष राठौर के बीच पुरानी रंजीश थी। जिसके कारण इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया।

गौरतलब है कि 13 मई की रात कांग्रेस नेता और परिवहन संघ के सचिव विक्रम बैस की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्यारों ने विक्रम बैस पर गंडासे से जानलेवा हमला करने के बाद तीन राउंड फायर किया था। इस अंधे कत्ल के बाद पुलिस लगातार हत्यारों का सुराग जुटा रही थी। नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए साइबर टीम के साथ ही पुलिस की अलग-अलग टीम का गठन किया गया था। सीसीटीवी फुटेज व साइबर एनालिसिस के आधार पर

० भिलाई में रची थी हत्या की साजिश,
० बिहार से पिस्टल मंगवाकर दिया वारदात को अंजाम

नारायणपुर निवासी मनीष राठौर का नाम सामने आया। पुलिस की तफ्तीश आगे बढ़ी तो पता चला कि इस हत्याकांड में मास्टर माइंड मनीष राठौर के साथ जसप्रीत सिंह सिद्धू, विश्वजीत नाग, विप्लव और विवेक अधिकारी ने लगभग डेढ़ महीने पहले ही हत्या की साजिश रची थी।

मनीष राठौर ने भिलाई के इंडियन कॉफी हाउस में पिस्टल खरीदने और हत्या की प्लानिंग करने के लिए विश्वजीत नाग, राजीव रंजन यति उर्फ राजू उर्फ बिहारी, संदीप यादव उर्फ संजू और सैमुआल उर्फ रायनुन्तलम के साथ मीटिंग की थी। इसके बाद बिहार के सिवान से हत्या के लिए पिस्टल लाया गया। घटना को अंजाम देने से पहले दो दिनों तक आरोपियों ने विक्रम बैस की दिनभर रेकी की थी। घटना के दिन 13 मई को विक्रम बैस को अकेला पाकर आरोपी संजू यादव और विश्वजीत नाग ने मिलकर पहले गंडासा से जानलेवा हमला किया गया। इसके बाद पिस्टल से गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। हत्या की वारदात के बाद आरोपियों ने पिस्टल को मनीष राठौर के गोदाम में छुपा दिया था। हत्याकांड का सुराग मिलने के बाद पुलिस ने आरोपियों की धरपकड़ के लिए दुर्ग, बिलासपुर के साथ ही रायपुर पुलिस की मदद ली गयी।

इसके बाद इस वारदात में शामिल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। एसपी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ के दौरान जिले में पत्रकारों को नक्सलियों के नाम पर धमकी देने के मामले का भी खुलासा हुआ। इसमें मनीष राठौर द्वारा धमकी भरे पत्र का लिखा जाना और विश्वजीत नाग द्वारा इसे पोस्ट किए जाने की जानकारी सामने आयी है। जिले में किशोर आर्या परिवहन संघ अध्यक्ष को धमकी भरा पत्र व नक्सलियों के नाम पर धमकी भरे बैनर व पत्र भेजकर लोगों को *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

जिले में जल संवर्धन के कार्यों को दें सर्वोच्च प्राथमिकता-कलेक्टर

जल स्तर में वृद्धि के लिए जीआईएस पद्धति से किया जा रहा स्थल चिन्हांकित, कलेक्टर ने ग्राम बड़गांव चारभाठा एवं कलडबरी में चल रहे भू-जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों का किया निरीक्षण

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम पंचायत बडग़ांव चारभाठा, छुरिया विकासखंड के ग्राम पंचायत कलडबरी में भू-जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए चल रहे कार्यों और राजनांदगांव नगर निगम क्षेत्र शिवनाथ नदी से लगे ऑक्सीजोन का निरीक्षण किया।

इस दौरान सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह उपस्थित थी। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जिले में भू-जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने जल रक्षा 2.0 के अंतर्गत भू-जल संवर्धन कार्य अधिक से अधिक करने के निर्देश दिए। उन्होंने डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम पंचायत बडग़ांव चारभाठा में चल रहे जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कार्यरत श्रमिकों से बातचीत की। उन्होंने श्रमिकों से मजदूरी भुगतान के संबंध में जानकारी ली। इसके अलावा जीविका उपार्जन के अन्य माध्यमों के संबंध में जानकारी ली।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जल रक्षा 2.0 अंतर्गत किये जा रहे भू-जल संरक्षण के तहत किये गये स्ट्रेगर ट्रेन्च एवं मिनी परकोलेशन टैंक निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। जिले में जल स्तर में वृद्धि के लिए जीआईएस पद्धति से स्थल चिन्हांकित कर कार्य किया जा रहा है। जिसमें निर्मित टैंक की क्षमता, किये गये कार्यों अंतर्गत भविष्य में होने वाले लाभ के संबंध में चर्चा की गई तथा कार्य को शीघ्र पूर्ण करने निर्देशित किया। कलेक्टर ने विकासखंड छुरिया के ग्राम पंचायत कलडबरी में वृक्षारोपण, तालाब गहरीकरण, मिनी परकोलेशन टैंक, स्ट्रेगर ट्रेन्च के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान उपस्थिति ग्रामीणों से चर्चा की। उपस्थित ग्रामीणों ने किए जा रहे कार्यों से होने वाले लाभ के संबंध में जानकारी प्रदान की। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने राजनांदगांव नगर निगम क्षेत्र शिवनाथ नदी से लगे आक्सीजोन का अवलोकन भी किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जनपद पंचायत डोंगरगांव नवीन सिंह, सीईओ जनपद पंचायत छुरिया नारायण बंजारे, सहायक परियोजना अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी एवं तकनीकी सहायक उपस्थित थे।

अवैध शराब विक्रय के खिलाफ पुलिस की जिले में लगातार कार्यवाही

अवैध शराब के तहत कुल 06 प्रकरणों में 06 आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव (दावा)। पुलिस ने पूरे जिलें भर में अवैध शराब बिक्री व परिवहन के खिलाफ धरपकड़ अभियान छेड़ दिया है। इस दौरान पुलिस ने अवैध शराब के 6 प्रकरण में 6 आरोपी को धर दबोचा है और आरोपियों के कब्जे से 73 पौवा देशी प्लेन शराब जप्त किया है। बताया जाता है कि इस अभियान में थाना कोतवाली, बसंतपुर, छुरिया, ओपी चिचोला, सुकुलदैहान, जोब द्वारा सख्त कार्यवाही की गई है।

बताया जाता है कि पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऑप्स मुकेश ठाकुर एवं पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के निर्देशन पर जिले में अवैध शराब बिक्री एवं परिवहन पर अंकुश लगाने के लिये असामाजिक तत्वों के विरूद्ध चलाए जा रहे सतत अभियान के तहत जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था जिसके तहत गुरुवार 16 मई को कोतवाली पुलिस द्वारा 34(1) के 01 प्रकरण में एक आरोपी के कब्जे से 20 पौवा देशी शराब कीमती 1800 रूपये, बसंतपुर पुलिस द्वारा 34(1) के प्रकरण में आरोपी के कब्जे से 16 पौवा देशी शराब कीमती 1440 रूपये व, छुरिया पुलिस द्वारा 34(1) के प्रकरण में एक आरोपी के कब्जे से 17 पौवा देशी शराब कीमती 1530 रूपये एवं ओपी चिचोला पुलिस द्वारा 34(1) के एक प्रकरण में आरोपी के कब्जे से 20 पौवा देशी शराब कीमती 4680 रूपये, सुकुलदैहान पुलिस द्वारा 34(1) के प्रकरण में एक आरोपी के कब्जे से 17 पौवा देशी शराब कीमती 1530 रूपये तथा ओपी चिचोला, जोब से 36 (च) के एक-एक प्रकरण सहित कुल 06 प्रकरणों पर आबकारी एक्ट के तहत की गई कार्यवाही। इस प्रकार जिले मे 16 मई गुरुवार को कुल 06 प्रकरणों में 06 आरोपियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपियों के कब्जे से 76 पौवा देशी प्लेन शराब 6570 रूपये कीमती जप्त किया गया।

पहला कॉलम...

सी.बी.एस.ई. 10वीं बोर्ड में भूमि अग्रवाल को मिले 92 प्रतिशत अंक

राजनांदगांव (दावा)। सी.बी.एस.ई.10वीं बोर्ड के स्थानीय गायत्री विद्यापीठ की छात्रा भूमि अग्रवाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 92 प्रतिशत अंक हासिल किए। एक छोटे से गांव (कोरची, गढ़चिरौली) से आई भूमि अग्रवाल ने इस सफलता के जरिए स्कूल का अपने माता पिता का और अग्रवाल समाज का नाम और मान बढ़ाया। सभी विषयों में भूमि ने बेहतर अंक अर्जित किए। जिसमें हिंदी में 89, अंग्रेजी में 90, मैथमेटिक्स स्टैंडर्ड में 96, विज्ञान में 94 और सोशल साइंस में 91 अंक प्राप्त किए। भूमि ने इस उपलब्धि पर संस्था की प्राचार्या, शिक्षक, अपने पालक और अपने मामा (सुनील अग्रवाल, जनता कॉलोनी) को श्रेय दिया है। भूमि महाराष्ट्र के कोरची निवासी किरण अग्रवाल और संगीता अग्रवाल की सुपुत्री हैं।

सीईओ जिला पंचायत ने की पूर्व से प्रारंभ एवं प्रगतिरत कार्यो की समीक्षा

राजनांदगांव (दावा)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने जिला पंचायत सभाकक्ष में राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी एवं खैरागढ़, छुईखदान-गण्डई जिले में पूर्व से प्रारंभ एवं प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की। जिला पंचायत सीईओ ने अधिकारियों को पूर्व से प्रारंभ एवं प्रगतिरत कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में राजनांदगांव जिले के अधिकारी, जिला पंचायत के अधिकारी एवं सभी जनपद पंचायतों के सीईओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी एवं खैरागढ़, छुईखदान-गण्डई जिले के जनपद पंचायतों के सीईओ एवं अन्य अधिकारी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहें।

आज से ब्रह्माकुमारीज द्वारा ग्राम बांकल में राजयोग शिविर का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के स्थानीय सेवाकेन्द्र वरदान भवन लालबाग राजनांदगांव द्वारा आज 17 मई शुक्रवार से 23 मई गुरुवार तक समीपस्थ ग्राम बांकल (पनेका) में राजयोग मेडिटेशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर का आयोजन ग्राम के मध्य स्थित रंगमंच में होगा जहां प्रतिदिन संध्या 7:30 बजे से राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी जी के श्रीमुख से शिव अमृतवाणी का रसपान ग्रामवासी कर सकेंगे साथ ही राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास भी कराया जायेगा। राजयोग मेडिटेशन सीखने से कई लाभ होते है जैसे आंतरिक सुख शांति एवं आनंद की प्राप्ति, एकाग्रता स्मरण शक्ति एवं मनोबल में वृद्धि, संबंधों में मधुरता, तनाव मुक्ति, जीवन प्रबंधन इत्यादि। यह शिविर ग्रामवासी भाइयों एवं बहनों के लिए बहुत लाभकारी एवं निःशुल्क है। अतः समस्त ग्रामवासियों से निवेदन है कि इस शिविर का लाभ अवश्य उठाए। यह जानकारी ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र के मीडिया प्रभारी ब्रह्माकुमार मुरलीधर सोमानी भाई ने दी।

सीएसआर राशि के व्यय में उद्योगों की मनमानी पर मंत्री लखन देवांगन ने उठाये सवाल

राज्य शासन के माध्यम से सीएसआर राशि व्यय करने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

रायपुर (दावा)। छत्तीसगढ़ में उद्योगों की मनमानी पर मंत्री लखनलाल देवांगन एक्शन मोड पर है। देवांगन ने पहले तो प्रदेश के उद्योगों में स्थानीय और बाहरी लोगों की भर्ती के संबंध में जानकारी मांग कर हड़कंप मचा दिया था। अब उद्योगों द्वारा सीएसआर मद के नाम पर की जाने वाली मनमानी पर सवाल उठा दिया है। मंत्री लखनलाल देवांगन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उद्योगों के सीएसआर मद के व्यय व निर्माण कार्य राज्य शासन द्वारा संपादित करने का आग्रह किया है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में उद्योगों से होने वाले प्रदूषण का दंश क्षेत्र की जनता झेल रही है। बावजूद इसके आज भी स्थानीय लोगों को क्षेत्रीय उद्योगों में नौकरी के नाम पर अक्सर घुमाया जाता है। वहीं दूसरी तरफ सीएसआर मद से प्रभावित क्षेत्रों में सामुदायिक विकास कार्यो के नाम पर उद्योगों द्वारा महज खानापूर्ति की कार्रवाई कर हमेशा से ही की जाती रही है। ऐसे में छत्तीसगढ़ सरकार के वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने एक बार फिर उद्योगों की इस मनमानी पर नकेल कसने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री साय को लिखे पत्र में मंत्री देवांगन ने उल्लेख किया है कि पिछले विधानसभा सत्र के दौरान कई विधायकों के माध्यम से उद्योगों के लाभ से सीएसआर कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व मद से होने वाले कार्यों की जानकारी शासन से मांगी गई थी। छत्तीसगढ़ शासन स्तर पर उक्त मद में व्यय करने संबधी किसी भी प्रकार के नियम व अधिकार अंतर्निहित नहीं होने के कारण उद्योग विभाग द्वारा न कोई कार्य संपादित किया जा रहा है, और न ही सीएसआर से होने वाले व्यय की समीक्षा व सही जानकारी प्राप्त हो पा रही है। मंत्री देवांगन ने सीएम विष्णुदेव साय से ध्यान आकृष्ट कराते हुए आग्रह किया है कि सीएसआर का व्यय शासन स्तर पर किया जाए, तो उद्योगों से प्रभावित लोगों की मूलभूत सुविधाओं में अभिवृद्धि हो पाएगी।

इसके साथ ही पर्यावरण को हो रहे नुकसान की भी काफी हद तक भरपाई की जा सकेगी। मंत्री देवांगन ने सीएसआर मद से होने वाले व्यय व निर्माण कार्य राज्य शासन से संपादित करने और इस संबंध में स्पष्ट नीति नियम बनाने, भारत शासन से आवश्यक समन्वय करने का आग्रह किया है। मंत्री लखनलाल देवांगन ने बताया कि प्रदेश में संचालित राष्ट्रीय स्तर की सार्वजनिक और निजी उपक्रम, के साथ ही अल्ट्रा मेगा प्रोजेक्ट समेत सभी उद्योग सीएसआर मद के तहत सालाना 1 हजार करोड़ खर्च करते हैं। ऐसे में यदि इस राशि का सही तरीके से राज्य शासन के माध्यम से खर्च किया जाता है, तो इसका सीधा लाभ उद्योगों से प्रभावित लोगों के साथ ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा, कुपोषण, सिंचाई, आधारभूत संरचना पर सीएसआर की राशि खर्च की जा सकेगी।

रॉयल किड्स कान्वेंट में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का किया गया सम्मान

राजनांदगांव (दावा)। शहर के लालबाग सिंधी कालोनी में स्थित रॉयल किड्स कान्वेंट में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान रायल किड्स स्कूल के प्रशासक व शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति में वरिष्ठ पत्रकारों के हाथों प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

मानवीय मूल्यों के साथ उत्कृष्ट शिक्षा देने के उद्देश्य से स्थापित शाला रॉयल किड्स कान्वेंट के डायरेक्टर सावंत बहादुर सिंह ने प्रेस को बताया कि उनके पिता जयंत बहादुर सिंह ने एक विजन के साथ इस शाला की नींव डाली जिसमें बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा एवं संस्कार देना उनका मुख्य उद्देश्य था जिसके लिए हम प्रतिबद्ध हैं और कहां की आप सभी के सहयोग के लिए हम धन्यवाद ज्ञापित करते है एवं शाला के प्रशासक संजय बहादुर सिंह ने बच्चों को बधाई देते हुए सभी का स्वागत किया और बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा संस्कार एवं खेल में विकास की ओर ध्यान देने की बात कही तथा यह किसी भी शाला के 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को विशेष स्कॉलरशिप के तहत शून्य शिक्षण शुल्क में पढ़ाई करवाई जाएगी। शाला के अकादमिक डायरेक्टर एवं प्राचार्य अभिषेक खंडेलवाल ने कहा कि शहर के मध्य स्थित संस्थान रॉयल किड्स कान्वेंट में अनुभवी शिक्षकों द्वारा मई माह में विभिन्न विषयों से संबंधित डाउट क्लीयरिंग कक्षाएं प्रारंभ की जा रही है, जिसमें शहर के सभी स्कूलों के बच्चे आकर अपने विषय से संबंधित डाउट क्लियर कर सकते हैं ये कक्षाएं निःशुल्क हैं बच्चे अपने पालकों के साथ आएंगे इन कक्षाओं में एडीकेट्स एवं मैनर्स से संबंधित कोई समस्या होने पर भी पालक अपने पाल्य के साथ आ सकते हैं उनकी काउंसलिंग की जाएगी।

डाउट क्लियर कक्षाओं में अकादमिक डायरेक्टर एवं प्राचार्य अभिषेक खंडेलवाल फिजिक्स, श्रीमती ममता मिश्रा बायोलॉजी, श्रीमती सुषमा शुक्ला हिंदी साहित्य, श्रीमती अपर्णा वर्मा हिंदी, गोपाल साहू जियोग्राफी, राहुल गेदाम केमिस्ट्री, अंजू राजपूत एवं पुमें लता गणित, पॉलिटिकल साइंस हिस्ट्री सिविक्स कुलविंदर कौर गरचा सोशल स्टडी सुश्री सरिता सिंह, इंदिरा धीवर, इकोनॉमिक्स आकांक्षा साहू वाणिज्य जया भारती, इंग्लिश मौली सेबेस्तियन, तृप्ति मेश्राम साइंस आदि शिक्षक शिक्षिकाएं सभी विषयों में अपनी सेवाएं देंगी। अतः पालकगणों से अनुरोध है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस सुअवसर का लाभ उठाएं।

बता दें कि रॉयल किड्स कान्वेंट शहर का जाना माना नाम है यहां के छात्र-छात्राएं विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिष्ठित पदों पर कार्यरत होकर अपनी शाला का नाम रोशन कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि रॉयल किड्स कान्वेंट की छात्रा सोनालिका रुचंदानी ने यूपीएससी में चयनित होकर आज रेलवे प्रबंधन में उच्च पद पर आसीन है और शंकी बग्गा आईएस पद पर प्रतिष्ठित हैं वही हॉकी प्लेयर मृणाल चौबे कंट्रोल एंड जनरल (सीएजी) पद पर प्रतिष्ठित है। चिकित्सा के क्षेत्र में यहां की डॉ ऋतु बजाज, डॉ. निधिषा श्रीवास्तव, डॉ. गौरव जैन, डॉ. रूही नाज, डॉ. शेख असरत, डॉ. शिखर चेपे, डॉ. अनिमेष गांधी, डॉ. रचना जैन, डॉ. पर्णवी यादव, डॉ. निरधि बैद, डॉ. आदिति जैन, डॉ. माधुरी खंडेलवाल, डॉ. मीनल गांधी, डॉ. सेजल गांधी, डॉ. थानेश्वर पटिला, डॉ. अदनान अहमद, डॉ. दीपक पटेल, डॉ. अमीषा चौधरी, डॉ. महेश मोटलानी, डॉ. माधुरी पटेल, डॉ. सुवर्णा सिंह अभी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसी परिपेक्ष में विदेश में प्रतिष्ठित संस्थानों में अपनी सेवाएं दे रहे सौरभ झा, अमित झा, आशुतोष मिश्रा, डॉ. शिल्पी सेठिया यूएई, जावेद अहमद दुबई, प्रतीक झा, सुमित टांक, जूहीता टांक, हनी बेला वाला, अभियंता पद पर कार्यरत इंजीनियर पंकज पारेख, आलोक अग्रवाल एनआईटी चेन्नई, इंजीनियर राहुल गांधी, अमीषा ठक्कर, मृत्युंजय शर्मा, वैभव बैद, श्वेता बाफना (एमडी बालको) इंजीनियर सौरभ काथरानी बैंक अधिकारी, वाय रवी किरण बैंक अधिकारी बेंगलुरु, भवनीत बग्गा अंकित शुक्ला बैंक अधिकारी, इंजीनियर तान्य मिश्रा बैंगलोर, इंजीनियर श्रद्धा साहू भुवनेश्वर, इंजीनियर जतिन साहू, राहुल चौधरी, इंजीनियर राहुल चौधरी, इंजीनियर शालीन शुक्ला, इंडस्ट्रीलिसट इंजीनियर शुभम शुक्ला प्लांट हेड (एबीस एक्सपोर्ट ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड) सभी अभियंता पद पर प्रतिष्ठित है। वाणिज्य क्षेत्र में रमनदीप भाटिया, रंजन मिश्रा, अंकित सेठिया, राहुल लालवानी, विकास गोलछा, भवनीत सिंह भाटिया, अंकित शुक्ला, आयुष्मान वर्मा (अधिवक्ता) जीएसटी इनकम टैक्स एग्जीक्यूटिव पद पर आसीन है।

एकेडमिक डायरेक्टर एवं प्राचार्य अभिषेक खंडेलवाल ने आशा व्यक्त की है कि आने वाले समय में इसी तरह बच्चे अपने बुद्धि एवं कौशल से आगे आएंगे, अपनी शाला एवं अपने परिवार का नाम रोशन करेंगे। शाला के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया गया जिसमें आईसीएसई बोर्ड के आमीर अली, अथर्व बोमले सीजी बोर्ड से प्राची मिश्रा, अनु साहनी सीबीएसई बोर्ड से अनन्या गुप्ता एवं राज हर्ष बाफना को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में शाला के भूतपूर्व छात्र मृणाल चौबे इंटरनेशनल हॉकी प्लेयर, ज्ञानेश्वरी यादव ओलंपिक मेडल विनर एवं परणवी देवी यादव स्टेट टॉपर को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सभी ने अपनी इस उपलब्धि पर शाला का महत्व पूर्ण योगदान बताया।

भारवाहक पशुओं का उपयोग 30 जून तक प्रतिबंध

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य जीव जन्तु कल्याण बोर्ड द्वारा भीषण गर्मी की स्थिति को ध्यान में रख 'परिवहन एवं कृषि पशुओं पर क्रूरता निवारण' 1965 के नियम 6(3) के अनुसार आगामी 30 जून तक भारवाहक पशुओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है।

इसके मद्देनजर कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी ने आदेश जारी कर दोपहर 12 बजे से तीन बजे के मध्य धमतरी जिले की सीमा के अंतर्गत भारवाहक पशुओं पर सामग्री रखकर वजन या सवारी ढोने के कार्य को प्रतिबंधित किया है। उन्होंने बताया कि इस दौरान पशुओं पर सामग्री रखकर या सवारी परिवहन हेतु उपयोग अथवा टांगा, बैलगाड़ी, भैंसागाड़ी, ऊंटगाड़ी, खच्चर, टट्टूगाड़ी या गधा पर वजन ढोने से पशु बीमार हो सकते हैं अथवा उनकी मृत्यु होने की संभावना बनी रहती है। कलेक्टर सुश्री गांधी ने आगामी 30 जून 2024 तक भारवाहक या सवारी परिवहन हेतु उपयोग पर प्रतिबंधित किया है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

बारिश से राहत के बाद फिर तेज गर्मी शुरू

रायपुर। सूर्य की तपिश ने कुछ दिनों की राहत के बाद फिर अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है। कुछ दिनों तक जारी रही वर्षा की गतिविधियों के बाद अब वापस से तेज गर्मी शुरू हो रही है। मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा के अनुसार अगले पांच दिनों में उत्तर एवं मध्य छत्तीसगढ़ के अधिकतम तापमान दो से तीन डिग्री तक बढ़ने की संभावना है। दक्षिणी छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान में कोई खास परिवर्तन होने के संकेत नहीं हैं। वहीं प्रदेश में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा का अनुमान लगाया जा रहा है। एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ अंधड़ चलने, वज्रपात होने के भी आसार हैं।

श्री कृष्णा (एयरकुल) में

अंतिम पांचवा सप्ताह रोजाना 4 खेल

समय : 12, 3, 6 व 9 बजे

बाल्कनी की एडवांस बुकिंग प्रारंभ है।

प्रणव झा प्रॉडक्शन कृत

बी.ए. फाईनल ईयर

छत्तीसगढ़ी भाषा में

कलाकार - मन कुरैशी, दीक्षा जायसवाल, दादू साहू, अंजली चौहान, राजेश बाघमारे, जयंती मनहर आदि

ता. 24 से मोर छंइहा भुंईयां 2

ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

SILVER SCREEN MULTIPLEX

17th May To 23th May 2024

Kingdom of The Planet of The Apes (Hindi) - 12:30, 03:30, 06:30 and 09:30 pm

Srikanth - 12:00, 03:00, 06:00 and 09:00 pm

Sumeet Mandi Mall, Rajnandgaon (C.G) 8085600200

बेचना है

5 डिसमिल डौंडीलोहारा में राजनांदगांव-दल्लीराजहरा मेन रोड़ में डबल मंजिला मकान दुकान सहित

-: संपर्क करें :-

मो. -78980-81602

शुभांक

अनुमानित

बी. के

1-3-7

568-9 457-6

राजधानी

2-4-7

389-0 558-8

चेतावनी:-इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

गुम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि दो जमीन ग्राम लाठगांव (रिठी) तहसील हिंगणा जिला नागपुर (महाराष्ट्र) स्थित के मूल रजिस्ट्री पेपर का सिरियल नं. व खसरा नं. 5255 (P), 45/3, 5254 (P) 57/3 जो कि राम कुमार गुप्ता के नाम पर नागपुर ग्रामीण के सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में पंजीकृत है। उक्त दोनों पंजीकृत पेपर पुराना बस स्टैण्ड राजनांदगांव में दिनांक 20/02/2024 को कहीं गुम हो गया हैं। काफी खोजबीन करने के पश्चात भी कहीं नहीं मिला। अतः उक्त दोनों जमीन के मूल रजिस्ट्री पेपर जिस किसी सज्जन को मिला हो नीचे लिखे पते पर संपर्क करें।

श्रीनिवास गुप्ता

फ्लैट नं. 103 ग्राउंड फ्लोर शांति विजय अपार्टमेन्ट फेस 02 लखोली रोड़ गंज चौक, राजनांदगांव

मो.नं.-90091-77773

99933-37739

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) खैरागढ़ जिला-खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई (छ.ग.)

ईश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संकेत कोठारी पिता स्व. श्री कोमल कोठारी निवासी ग्राम कैलाश नगर राजनांदगांव तहसील व जिला राजनांदगांव के द्वारा ग्राम जालबांधा प.ह.नं.56 रा.नि.मं. जालबांधा तहसील खैरागढ़ स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख. नं. 614/1,614/3 रकबा क्रमशः 1.831,4.027हे. भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने हेतु आवेदन पेश किया है। उक्त प्रकरण में आगामी सुनवाई दिनांक 27/05/2024 को नियत किया गया है। अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी को दावा-आपत्ति पेश करना हो वह नियत दिनांक के पूर्व स्वयं/अपने अधिवक्ता/अपने द्वारा नियुक्त व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं, नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

आज दिनांक 10/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
खैरागढ़

कार्यालय संपदा अधिकारी

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-राजनांदगांव

कार्यालय पता- न्यू बस स्टैंड व्यवसायिक परिसर राजनांदगांव जिला राजनांदगांव (छ.ग.) फोन नं. 07744469714 E-mail: emzonerjn@gmail.com

क्रं./514/सं.अ./2024 // आम सूचना // प्रक्षेत्र-राजनांदगांव, दिनांक 13/5/2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि छ.ग. शासन द्वारा जारी दिशा निर्देश के तहत् निम्नलिखित आबंटियों द्वारा उनके नाम के सम्मुख दर्शाये गये आवासीय भूखण्ड/भवन को फ्री होल्ड में संपरिवर्तन करने हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखण्ड/ भवन को फ्री होल्ड में संपरिवर्तन करने की कार्यवाही में यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक या अन्य वित्तीय संस्थान को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के अंदर अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में उपस्थित होकर दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

क्र.	आवेदक का नाम पिता/पति का नाम	भवन क्र.	कॉलोनी का नाम	भूखण्ड का क्षेत्र. (व.फी में)
1.	श्रीमती रमा राजपूत पति श्री तारकेश्वर सिंह राजपूत	AAY-10	AAY PENDRI	552.63

संपदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-राजनांदगांव

आर.के.नगर तिराहे में ट्रैफिक सिग्नल हुआ चालू

राजनांदगांव (दावा)। नेशनल हाईवे में यातायात की दृष्टि सबसे व्यस्ततम आर के नगर चौराहे में गुरुवार को अंतत: ट्रैफिक सिग्नल का शुरुआत कर ही दी गई।

जिला पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में उक्त चौक पर ट्रैफिक सिग्नल लगाया गया। बता दें कि समीप ही पाताल भैरवी मंदिर व क्रिश्चियन हास्पीटल व श्री राम-कृष्ण नगर की ओर जाने का रास्ता होने के कारण उक्त चौक यातायात की दृष्टि से बहुत खतरनाक बना हुआ है। आए दिन यहां पर कोई न कोई दुर्घटनाएं हुआ करती थी। इसे देखते हुए क्षेत्र के पार्षद सहित अन्य जागरुक जनों द्वारा बहुत पहले से आर.के. नगर चौक पर ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाने की मांग की जा रही थी। उक्त मांग के काफी समय बाद शहर में यातायात के प्रति जागरूकता रखने वाले अधिकारियों के आने पर गुरुवार को ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाने का मुहूर्त निकला और गुरुवार 16 मई को पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में आर के नगर चौक पर ट्रैफिक सिग्नल लगाया गया।

यातायात संचालन हेतु ट्रैफिक पुलिस रहेगी तैनात

इस दौरान यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक लोकेश कुमार कसेर एवं यातायात टीम निरीक्षक अजय खेस के अलावा नवरतन कश्यप आदि की उपस्थिति रहे। बताया जाता है कि उक्त ट्रैफिक सिग्नल राघव एडवोटाईजमेंट रायपुर के सहयोग से शहर के आर. के. नगर तिराहा में सुगम यातायात संचालन एवं सड़क हादसे रोकने के प्रयास में लगाया गया है। इसके साथ ही राज इम्पीरियल तिराहा में सिग्नल लगाने का काम चालू है वहीं रामदरबार चौक में तीन-चार दिनों में सिग्नल शुरू हो जाने की बात कही जा रही है।

यातायात पुलिस रहेगी तैनात

बताया जा रहा है कि उक्त चौक में यातायात पुलिस की भी तैनाती रहेगी। वर्तमान में आर.के.नगर तिराहा एवं रामदरबार चौक में यातायात संचालन हेतु प्रातः 09.00 बजे से रात्रि 09.00 बजे तक 02 पालियों में यातायात बल ड्यूटी में उपलब्ध रहता है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें एवं दुर्घटना से बचे।

रामदरबार चौक की गंभीर यातायात स्थिति पर डॉ. रमन का ध्यान आकर्षित

राजनांदगांव (दावा)। शहर के युवा नेता तथागत विजय पांडे ने शहर के जी ई रोड स्थित रामदरबार चौक, रायपुर नाका के गंभीर यातायात स्थिति की ओर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजनांदगांव के विधायक तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने इस संबंध में डॉ. सिंह को लिखे पत्र में कहा है कि उक्त चौक में गंभीर यातायात स्थिति होने के कारण एक्सीडेंट की कई दुखद घटनाएं हुई हैं, जिसमें कई लोगों की जानें चली गई हैं। मंगलवार 14 मई को फिर से इस चौराहे पर एक खतरनाक दुर्घटना में एक की जान चली गई, इस घटना के लगभग एक सप्ताह पूर्व भी इसी तरह की एक घटना हुई थी जिसमें भी एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी।

तथागत ने इन दुखद घटनाओं के मुख्य कारण बताते हुए डॉ. साहब को बताया कि एक तो वहां पर की सर्विस रोड की चौड़ाई कम है। शहर से चौराहे तक जाने वाली सर्विस रोड चौक के ठीक पहले खतरनाक रूप से सकरी हो जाती हैं, जिससे भीड़भाड़ होती है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। दूसरा वहां पर वाणिज्यिक वेब्रिज का होना है। चौराहे पर एक वाणिज्यिक वेब्रिज की उपस्थिति से ट्रैफिक जाम बढ़ जाता है जिससे यात्रियों के लिए एक बड़ा खतरा पैदा होता है। वहीं एफसीआई का गोदाम होने की वजह से ट्रकों की लंबी कतारें लगी रहती है। सड़कों के दोनों ओर ट्रकों की लंबी कतारें, जो एफसीआई गोदाम में अनलोड होने की प्रतीक्षा में खड़े रहते हैं, पूरी सड़कों को अवरुद्ध कर देती हैं, इससे यातायात की स्थिति और भी खराब हो जाती है और दुर्घटनाओं की संभावना और बढ़ जाती है। श्री पांडे ने आगे कहा कि चौक में यातायात नियंत्रण का अभाव बड़ी समस्या बनी हुई है। चौराहे पर यातायात पुलिस की उपस्थिति ही नहीं रहती जिससे यातायात अव्यवस्थित हो जाता हैं इसके अलावा घनी आबादी वाले क्षेत्र में स्थित यह चौराहा राष्ट्रीय राजमार्ग और शहर के यातायात के बीच जंक्शन के रूप में कार्य करता है, जिससे यात्रियों और निवासियों के सामने चुनौतियाँ बढ़ जाती हैं। युवा नेता पांडे ने डॉ सिंह से राम दरबार चौक की यातायात संबंधी गंभीर स्थिति और लोगों की आए दिन हो रही जान माल की क्षति को देखते हुए इसके त्वरित समाधान और निर्णायक कार्रवाई करने की अपील की है।

जीवन साधना का प्रशिक्षण लेकर लौटे गायत्री परिवार के भाई-बहन

राजनांदगांव (दावा)। शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा संचालित नवदिवसीय जीवन जीने की कला की साधना करके लगभग 55 से 60 युवा भाई बहनों ने अपनी भागीदारी दी इस प्रशिक्षण का उद्देश्य अपने विचार चिंतन वाणी एवं व्यवहार को पॉजिटिव बनाना अच्छा बनाना तथा शांति धैर्य सद्भाव ईमानदारी प्रेम आदर्श सम्मान के भावों को अपने अंदर भरने का है नकारात्मक विचारों को जैसे क्रोध हैं साथ तनाव अशांति लालच इस ईर्ष्या द्वेष-जलन आदि को दूर हटाकर, ताकि हम एक श्रेष्ठ नागरिक बनकर व्यक्ति निर्माण परिवार एवं समाज निर्माण तथा राष्ट्रीय निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। यह प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क था इस प्रशिक्षण में शिक्षक शिक्षिकाएं तथा कॉलेज स्कूल में पढ़ने वाले युवा भाई बहन तथा अन्य पैसे से जुड़े हुए लोग भी थे इस प्रशिक्षण में मानपुर मोहला खैरागढ़ छुईखदान खदान कंदरिया आदि से भी युवा साथी गए हुए थे देश भर में उड़ीसा बिहार पंजाब दिल्ली गुजरात महाराष्ट्र तथा विदेशों से भी युवा इस प्रशिक्षण में भाग लिए कुल मिलाकर पूरे भारत देश से लगभग एक सत्र में 300 प्रशिक्षण आर्थिक शामिल हुए। इस प्रशिक्षण को सफल बनाने में राजनांदगांव जिले की नारी सशक्तिकरण प्रभारी श्रीमती शीला सोनी के सीजी के प्रभारी प्रभात साहू, शिक्षक मिथिलेश कुमार पटेल शिक्षक सुरेश यादव कथावाचक आदि का सहयोग एवं प्रयास सराहनी रहा शांतिकुंज हरिद्वार में यह साधना शिविर 12 महीने चलते रहता है जाने से पंजीयन अवश्य करवा लेना चाहिए अधिक जानकारी के लिए राजनांदगांव शक्तिपीठ, ठेलकाडीह शक्तिपीठ से संपर्क किया जा सकता है।

फर्जी दस्तावेज व फर्जी मुख्तयारनामा बनाकर धोखाधडी कर जमीन का रजिस्ट्री कराने वाले फरार आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव (दावा)। सिटी कोतवाली पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर तथा फ़र्ज़ी मुख्तयार नामा बनाकर धोखाधडी से जमीन रजिस्ट्री कराने वाले तीन फरार आरोपियों को धर दबोचा है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा दिया गया। बताया जाता है कि उक्त मामले में 4 आरोपी पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा जा चुका है। आरोपियों के नाम- मनोज कुमार वैष्णव पिता त्रिभुवन दास वैष्णव उम्र 20 वर्ष निवासी बैजनाथ पारा वार्ड नं. 39 दुर्ग ,प्रशांत कुमार कसार पिता नंद किशोर कसार उम्र 42 वर्ष निवासी गिरधारी नगर कसार च्वाईस सेन्टर दुर्ग थाना मोहन नगर दुर्ग तथा विनोद कुमार निषाद पिता स्व0 रामकुमार निषाद उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम पीपरछेड़ी पोस्ट रसमड़ा जिला थाना पुलगांव जिला दुर्ग बताया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी समीर सचदेवा पिता भारतभूषण सचदेवा उम्र 53 साल स्थायी पता 86 नर्मदा रोड रतन कालोनी जबलपुर (म0प्र0) का दिनांक 04.02.2024 को थाने में लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसका जमीन ग्राम तेलीटोला (टप्पा) पटवारी हल्का न0 19 तहसील लालबहादुर नगर जिला राजनांदगॉव में खसरा न0 86/01 क्षेत्रफल 0.466 हेक्टेयर जो जीई रोड से लगी है। उक्त जमीन के संबंध में दिनांक 19.01.2024 को हल्का पटवारी कमलेश चंदेल द्वारा फोन कर जानकारी लिया आप किसी को पावर ऑफ अटर्नी देकर बिक्री किये हो जमीन बिक चुकी है। तब यह जबलपुर से आकर जानकारी लिया तो उक्त जमीन को अनावेदक प्रेमलाल भाट ग्राम रजोली जिला बालोद के द्वारा अन्य लोगो के साथ मिलकर भूमि का फर्जी दस्तावेज तैयार कर प्रार्थी के स्थान पर अन्य व्यक्ति को खडाकर फर्जी मुख्तयारनामा तैयार कर क्रेता श्री अजय कुमार कुकरेजा पिता कन्हैयालाल निवासी मकान न0 14 न्यु मार्केट रोड जगजीवन राम वार्ड दल्ली राजहरा डौण्डी जिला बालोद एवं संजय कुमार जैन पिता विजय कुमार जैन निवासी मकान न0 200 लोहार पारा रोड भरकापारा राजनांदगॉव के पक्ष में उप पंजीयक कार्यालय राजनांदगॉव को विक्रयनामा निष्पादित करना पाया गया। जॉच पर धारा 419,420,467,468,471,120-बी भादवि0 का अपराध घटित होना पाया जाने से थाना कोतवाली राजनांदगॉव में अपराध क्र0 81/2024 धारा 419,420,467,468,471,120-बी भादवि0 कायम कर विवेचना में लिया गया। दौरान विवेचना के दिनांक 24.02.2024 को आरोपी (1) नावेद अली पिता नरेश सिंह उम्र 32 साल साकिन वार्ड न0 41 केलाबाडी मस्जिद के पिछे दुर्ग थाना पदनाभपुर जिला दुर्ग (2) श्रवण कुमार साहू पिता स्व0 जोहत राम साहू उम्र 39 साल साकिन सिकोसा ग्रामीण बैंक के सामने थाना गुण्डरदेही जिला बालोद को एवं दिनांक 12.05.2024 को (3) बिहारी लाल पिता स्व0 मेहत्तर राम उम्र 58 वर्ष साकिन दमोदा थाना पुलगांव जिला दुर्ग (छ0ग0) (4) प्रेमलाल भाट पिता लिलक राम भाट उम्र 40 वर्ष साकिन ग्राम रजोली थाना रनचिरई जिला बालोद (छ0ग0) विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है, जो जिला जेल राजनांदगांव में निरूद्ध है। श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय मोहित गर्ग के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व मे थाना कोतवाली से टीम गठित कर मामलें में फरार 03 अन्य आरोपियों की लगातार पतासाजी किया जा रहा था, कि गुरुवार 16.मई को मुखबीर की सूचना पर उपरोक्त आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर इसमें से दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में न्यायालय पेश किया गया, जेल वारंट प्राप्त होने पर जिला जेल राजनांदगांव में दाखिल किया गया।

शहर के व्यापारी की जली हुई मिली लाश

हत्या या आत्महत्या पतासाजी में जुटी पुलिस

राजनांदगांव (दावा)। शहर के मेडिकल व्यवसाय करने वाले व्यवसायी के रेल्वे स्टेशन में जली हुई लाश मिलने से आसपास में सनसनी फैल गई। घटना बीती रात की बताई जाती है। उक्त घटना हत्या है या आत्म हत्या इसकी पतासाजी करने पुलिस जुट गई है। मृतक का नाम कवि खंडेलवाल निवासी रामाधीन मार्ग बताया जाता है।

मेडिकल का व्यवसाय करने वाला उक्त युवक पुराना विश्राम भवन के पीछे जो रेल्वे गोदाम है जिधर प्रायः रैक खाली होते रहता है उधर जाकर उसे आत्महत्या कर लिए जाने या उसकी हत्या कर दिए जाने की बात सामने आ रही है। घटना की जानकारी मिलते लोग वहां पर पहुंच गए और देखते ही देखते लोगों की वहां पर भीड़ लग गई। प्रथम दृष्ट्या यह घटना जलकर या जलाकर की गई घटना नजर आती है।मृतक के नजदीक की मोटर सायकल खड़ी नजर आ रही है। संभवतः गाड़ से पेट्रोल का घटना के लिए उपयोग किया गया है। मृतक युवक का शरीर जला नजर आ रहा है। फिलहाल मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराने हास्पीटल भेज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

अवैध रूप से गांजा बिक्री के मामले में आरोपियों को एक वर्ष के सश्रम कारावास एवं अर्थदंड की सजा

राजनांदगांव (दावा)। विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट), पीठासीन न्यायाधीश डी. आर. देवांगन द्वारा विचारण उपरान्त अवैध रूप से गांजा बिक्री के एक मामले में गुरुवार 16 मई को फैसला सुनाते हुए अभियुक्तों के विरुद्ध आरोप साबित पाये जाने पर उन्हें पांच-पांच साल की सश्रम कारावास व 50-50 हजार रुपए अर्थदंड की सजा दी है। अभियुक्तों में परदेशी राम साहू पिता पचकौड़ साहू, आयु 40 वर्ष, निवासी बड़े बिरेझर, थाना बोरी, जिला दुर्ग एवं अभिषेक जॉन आ स्व, प्रदीप जॉन, आयु 37 वर्ष, निवासी ईडब्ल्यु। एस 538 वैशाली नगर, भिलाई, ओपी वैशाली नगर, भिलाई, जिला दुर्ग वर्तमान पता ग्राम चुनकट्टा, अरविंद नलवंशी का मकान, पोस्ट ऑफिस सेलूद, थाना उतई, जिला दुर्ग को धारा 20 (ख) (द्वद्व) (ख) स्वापक औषधि एवं मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के अधीन पाँच-पाँच वर्ष का सश्रम कारावास एवं रुपये पचास-पचास हजार रुपये का अर्थदंड तथा अर्थदंड अदा न किये जाने की दशा में 03-03 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा अतिरिक्त भुगताये जाने का दण्डादेश पारित किया गया।

मामले में शासन की ओर से पैरवी करने वाले विशेष लोक अभियोजक (एनडीपीएस एक्ट) धन्नू लाल सेन ने बताया कि, थाना घुमका को दिनाँक 10 अप्रैल 2018 को मुखबिर के जरिये सूचना प्राप्त हुआ कि, एक ब्राउन कलर के एक्टिवा वाहन में दो लोग अवैध रूप से गांजा बिक्री करने के लिए ग्राम गोपालपुर तरफ से चारभाठा की ओर जा रहे है। उक्त सूचना पर थाना घुमका द्वारा विधिवत् कार्यवाही कर मौका रवाना हुये मौका पर बांध के पास मुड़पार चारभांठा रोड मार्ग पहुंचकर इंतजार किये। कुछ समय बाद गोपालपुर की ओर से एक ब्राउन कलर का एक्टिवा वाहन को आते देखकर हमराह स्टाफ एवं गवाहों के समक्ष उक्त वाहन को रोककर चालक से पूछताछ करने पर अपना नाम अभिषेक जॉन वैशाली नगर भिलाई का तथा पीछे बैठा अन्य व्यक्ति अपना नाम परदेशी राम साहू बड़े बिरेझर का रहने वाला बताया।

अभियुक्तगण की तलाशी लेने पर एक सफेद रंग के थैला में रखे पॉलीथिन में तीन पैकेट तथा पीछे बैठे परदेशी राम साहू के कब्जे में सफेद पीला रंग के थैले अंदर पॉलीथिन में लपेटकर रखा हुआ 07 पैकेट इस प्रकार कुल 10 पैकेटों को खोलकर देखने पर गांजा होना पाया गया जिसे विधिवत् कार्यवाही करते हुए अभियुक्तगणों के कब्जे से कुल 10 किलोग्राम गांजा कीमत तीस हजार रुपये) एवं घटना में प्रयुक्त वाहन एक्टिवा, मोबाईल एवं नगद रकम 22000 रुपये जप्त किया गया। आरोपीगणों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया तथा संपूर्ण जांच उपरान्त अभियोग पत्र विचारण हेतु न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था।

रेलवे स्टेशनों व रेल गाड़ियों में विशेष जांच सहित यात्रियों के समस्याओं का त्वरित निवारण

राजनांदगांव (दावा)। वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक दिलीप सिंह के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग के अधिकारियों के अगुवाई में टिकट निरीक्षकों, वाणिज्य निरीक्षकों आदि के सहयोग से मण्डल के विभिन्न खण्ड से गुरजने वाली यात्री गाड़ियों तथा रेल्वे स्टेशनों में दिनांक 01 मई से 10 मई तक चलाये गए विभिन्न प्रकार के टिकट जांच अभियानों के अंतर्गत बिना टिकट/अनियमित यात्रा तथा बिना बुक किए गए लगेज के 12249 मामलें दर्ज कर कुल 51,81,640 रूपये, वहीं अन्य 2627 विविध मामलों से 8,72,370 रूपये वसूले गए।

इसके अतिरिक्त धूम्रपान के 10 मामलें दर्ज कर दंड स्वरूप 2000 रूपये वसूले गए वहीं रेल परिसर में गंदगी फैलाने वाले कुल 157 यात्रियों के विरुद्ध रेल नियम के तहत कार्रवाई कर 15,900 रूपये दंड स्वरूप राशि वसूले गए। मण्डल द्वारा अनियमित और बिना टिकट यात्रियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से नियमित रूप से स्टेशनों एवं यात्री गाड़ियों विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाए जा रहे है अतः यात्रियों से निवेदन है कि वे यात्रा के दौरान उचित यात्रा टिकट लेकर ही यात्रा करें ताकि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार कि परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही यात्री सुविधाओं को सुनिश्चित करने हेतु ट्रेनों में टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा कोच की सफाई, बिजली की आपूर्ति, सीट पर कब्जा, सुरक्षा जैसी समस्याओं का निवारण त्वरित करने हेतु हर संभव प्रयास किया जा रहा है। वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक दिलीप सिंह ने सभी यात्रियों व आगंतुकों से स्टेशन परिसर एवं डिब्बों को स्वच्छ रखने, कूड़ा-कचरा निर्धारित कूड़ादान में डालने, रेल नियमों का पालन करने एवं जारी विकास कार्यों में रेल प्रशासन को सहयोग देने कि अपील की।

डेंगू से बचाव के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय डेंगू दिवस 16 मई को समुदाय के सहभागिता से डेंगू नियंत्रण की थीम पर नागरिकों को डेंगू से बचाव के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि डेंगू मच्छर जनित एक वायरल बीमारी है। जिसमें सिर में दर्द, तेज बुखार, मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द जैसी परेशानियां होती हैं और त्वचा पर चकत्ते भी निकल आते हैं। डेंगू फीमेल एडीज मच्छर के काटने से होता है। डेंगू और मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियां मच्छरों के काटने से होती हैं, लेकिन मामूली सावधानी अपनाने से मच्छर के काटने से बचा सकता है। भारत में विशेषकर यह बारिश के दिनों में होने वाला सामान्य रोग है। डेंगू का लार्वा सामान्यतः जमे हुए साफ पानी में पनपता है और इसे पनपने के लिए जुलाई से लेकर अक्टूबर का समय काफी अनुकूल होता है। यही वजह है कि इस समयावधि में सतर्क रहना जरूरी होता है। डेंगू से बचाव के लिए सभी शासकीय अस्पतालों में निःशुल्क उपचार की व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि एडीज एजिप्टी एक ऐसा मच्छर है, जो डेंगू बुखार, चिकनगुनिया, जीका बुखार, मायरो बुखार के वायरस और अन्य रोग एजेंटों को फैला सकता है। विशेषकर बारिश के मौसम की शुरूआत के साथ ही मच्छरों के प्रजनन और परिणामस्वरूप महामारी में वृद्धि होती है। एडीज एजिप्टी मच्छर सबसे ज्यादा सुबह और शाम को और छायादार क्षेत्रों में पाए जाते हैं। यह पूरे साल या अनुकूल स्थिति में किसी भी समय संक्रमण फैला सकते हैं। इससे बचाव हेतु सभी को आवश्यक उपाय अपनाना चाहिए।

डेंगू होने के कारण, लक्षण तथा बचाव की दी गई जानकारी

सीएमएचओ डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि डेंगू का मच्छर आम मच्छरों से अलग होता है और यह दिन की रोशनी में काटता है। ऐसे में घर और आसपास मच्छरों को पनपने नहीं दें। कूलर में पानी जमा होने से उसमें डेंगू का लार्वा पनपने का खतरा रहता है। कूलर का उपयोग नहीं होने पर उसका पानी खाली कर दें एवं जो कूलर चालू है, उसे प्रति सप्ताह खाली कर साफ कर भरे, घर की छत पर रखे गमलों या अन्य चीजों में पानी जमा हो तो उसे तुरंत खाली करना चाहिए, क्योंकि इसमें डेंगू लार्वा पैदा हो सकते हैं। घरों के आसपास या गड्ढों में पानी जमा नहीं होने दें एवं जमा पानी के गड्ढे में जला हुआ तेल डाल दें। जिससे ऑक्सीजन नहीं मिलने के कारण मच्छर का लार्वा नष्ट हो जाता है, मच्छरों से बचने के लिए मच्छरदानी का इस्तेमाल करें। घर के दरवाजों में जाली लगवाएं, पैरों में मोजे पहने एवं दिन में भी सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. भूमिका वर्मा ने बताया की डेंगू रोग के विषय में जनजागरूकता के लिए जिले में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर डेंगू से बचाव से संबंधित नारा लेखन एवं कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें लोगों को डेंगू होने के कारण, इसके लक्षण तथा इससे बचाव से संबंधित आवश्यक उपायों की जानकारी दी गई। जिला सलाहकार संगीता पांडेय, डेंगू पर नियंत्रण के लिए जिले के छुरिया, डोंगरगढ़, घुमका, डोगरगांव विकासखंड के उपकेंद्रों में लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा का लक्ष्य लेकर लगातार विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। सोर्स रिडक्शन गतिविधियां की जा रही हैं, जिसमें मितानिन की विशेष भूमिका है। राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर भी जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें डॉ. अल्पना लुनिया एवं समस्त कार्यक्रम अधिकारी, सुश्री पूजा मेश्राम, जिला प्रबंधक शहरी राजेश गायकवाड एवं अन्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

पीठ हमेशा मजबूत रखनी चाहिए क्योंकि शाबासी और धोखा दोनों पीछे से ही मिलते है।

आज विश्व उच्चरक्तचाप दिवस

उच्चरक्तचाप से संबंधित बीमारियों के रोकथाम के लिए किया जाएगा जागरूक

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर आज 17 मई को उच्च रक्तचाप से संबंधित बीमारियों के रोकथाम हेतु स्वस्थ्य जीवन शैली अपनाने के लिए नागरिकों को जागरूक करने जिला एवं विकासखंड स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि विश्व उच्चरक्तचाप दिवस के इस वर्ष का थीम अपने रक्तचाप को सही तरीके से मापें, इसे नियंत्रित करें अधिक समय तक जीवित रहें है। उन्होंने बताया कि उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह स्क्रिनिंग कैंप का आयोजन सार्वजनिक एवं शासकीय कार्यालयों में किया जाएगा। जिसमें सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पीएचसी, एसएससी, यूपीएचसी, यूएचडब्लूसी शामिल है। उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह के रोकथाम के लिए प्रचार-प्रसार किया जाएगा। ग्राम सभा में आम जनता को उच्चरक्तचाप संबंधी जानकारी प्रदान की जाएगी। विश्व उच्चरक्तचाप दिवस का आयोजन जिले के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर सहित अन्य स्वास्थ्य संस्थाओं में किया जाएगा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विद्युतीकरण एवं मोडिफिकेशन हेतु निविदा सूचना

निविदा संख्या : 03/TENDER/EL/CON/SECR/BSP/2024.दिनांक : 14.05.2024.

कार्य का नाम : "(1) द.पू.म. रेलवे नागपुर मंडल के राजनांदगांव–नागपुर के मध्य रेलवे लाइन तिहरीकरण कार्य के अंतर्गत नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन यार्ड में 25KV, 50HZ सिंगल फेस एसी ऊपरी उपस्कर द्वारा विद्युतीकरण और मोडिफिकेशन का कार्य। (2) तुमसर यार्ड में ऊपरी उपस्कर मोडिफिकेशन का कार्य। (3) कन्हान में लाईन नं. 1 और गुड्स सायडिंग को ट्रामवे ऊपरी उपस्कर से कन्दर्सनल ऊपरी उपस्कर में परिवर्तित करने का कार्य।"

निविदा मूल्य : ₹ 5,17,19,884.71/- (रुपये पांच करोड़ सत्रह लाख उन्नीस हजार आठ सौ चौरासी और इकहत्तर पैसे मात्र)।

बयाना राशि : ₹ 4,08,600/- (रुपये चार लाख आठ हजार छः सौ मात्र)। **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक : 07.06.2024** को 15:30 बजे। **कार्य पूर्णता की अवधि** : 12 (बारह) माह स्वीकृति पत्र जारी होने की तारीख से।

वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का सीन : ऊपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी/ई–निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई–निविदा को कागजात, जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर/देख सकते हैं।

कृते उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण)
सीपीआर/10/54 द.पू.म. रेलवे, नागपुर

South East Central Railway @secrail

अनमोल दावा

सही कर्म वह नहीं है जिसके परिणाम हमेशा सही हो बल्कि सही कर्म वह है जिसका उद्देश्य कभी भी गलत ना हो।

अर्थव्यवस्था में कायम असंतुलन दूर करने का जब तक प्रयास नहीं होगा, महंगाई पर काबू पाना कठिन

महंगाई को सहनशील स्तर पर लाने के लिए जरूरी है कि बाजार में पूंजी का प्रवाह बढ़े, मगर बेरोजगारी बढ़ने, प्रति व्यक्ति आय घटने और क्रयशक्ति छीजती जाने की वजह से बाजार में संतुलन नहीं बन पा रहा।

सरकार महंगाई पर काबू पाने के लिए कई वर्ष से प्रयास कर रही है, मगर इसमें स्थिरता नहीं आ पा रही। रिजर्व बैंक ने खुदरा महंगाई पांच फीसद के नीचे रखने की मंशा से कई बार बैंक दरों में बढ़ोतरी की और अभी तक वह उनमें कटौती करने के बारे में सोच भी नहीं पा रहा। खुदरा महंगाई पिछले महीने बढ़ कर 7.74 फीसद पर पहुंच गई।

अब थोक महंगाई अपने तेरह महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। पिछले महीने यह 1.26 फीसद दर्ज हुई। पिछले वर्ष मार्च में यह 1.41 फीसद थी। थोक महंगाई पिछले दो महीने से लगातार बढ़ रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का कहना है कि अप्रैल महीने में खाद्य वस्तुओं, बिजली, कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस, खाद्य उत्पाद विनिर्माण और अन्य विनिर्माण क्षेत्रों में उत्पाद की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से थोक महंगाई बढ़ी है।

इस स्थिति में कब तक सुधार की संभावना है, इसे लेकर कोई आकलन पेश नहीं किया गया है। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में कब नरमी दर्ज होगी, कहना मुश्किल है। विश्व में जिस तरह संघर्ष की स्थितियां और मंदी का दौर है, उसमें कीमतों में कमी को लेकर कोई दावा नहीं किया जा सकता।

विनिर्माण और बिजली क्षेत्र में महंगाई बढ़ने की वजहें भी साफ हैं। कोयला उत्पादन क्षेत्र में विकास दर सुस्त बनी हुई है। कोयला आयात बढ़ा है। ऐसे में बिजली उत्पादन पर असर पड़ना स्वाभाविक है। विनिर्माण में लागत पर खुदरा महंगाई का भी असर होता है। कोयला और बिजली की कीमतें बढ़ने से भी इस क्षेत्र में महंगाई बढ़ती है। इससे जाहिर है कि अभी आने वाले समय में जल्दी इस स्थिति में किसी सुधार की उम्मीद नहीं की जा सकती।

महंगाई का एक बड़ा कारण विकास दर में असंतुलन भी है। कुछ क्षेत्रों में विकास दर काफी ऊंची है, तो कुछ में नीचे का रुख बना हुआ है। थोक महंगाई बढ़ने का अर्थ है कि खुदरा महंगाई पर उसका सीधा असर पड़ेगा। अगर वस्तुओं के उत्पादन पर लागत बढ़ेगी, तो खुदरा वस्तुओं की कीमतें उसके अनुपात में कहीं अधिक बढ़ी हुई दर्ज होंगी।

फिर, चूंकि महंगाई का आकलन थोक मूल्य सूचकांक के आधार पर किया जाता है, वास्तविक महंगाई उससे कहीं अधिक होती है। इसीलिए अक्सर जब सरकारी आंकड़ों में महंगाई का स्तर घटा हुआ दर्ज होता है, तब भी आम उपभोक्ता कोई राहत महसूस नहीं करता।

आम चुनाव की सरगर्मी में विपक्षी दलों ने महंगाई और बेरोजगारी को मुख्य मुद्दा बनाया हुआ है। इसलिए थोक महंगाई के ताजा आंकड़े एक बार फिर उन्हें सत्तापक्ष की आलोचना का अवसर देंगे। यह एक अजीब तरह का असंतुलन है कि देश की अर्थव्यवस्था का रुख ऊपर की तरफ है, जबकि महंगाई एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसकी कुछ वजहें साफ हैं।

महंगाई को सहनशील स्तर पर लाने के लिए जरूरी है कि बाजार में पूंजी का प्रवाह बढ़े, मगर बेरोजगारी बढ़ने, प्रति व्यक्ति आय घटने और क्रयशक्ति छीजती जाने की वजह से बाजार में संतुलन नहीं बन पा रहा। जिस मौसम में नई फसल की आवक तेज होती है, उसमें भी खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतें ऊंची रहती हैं। दूसरी तरफ किसान फसलों की वाजिब कीमत न मिल पाने से परेशान दिखते हैं। जब तक अर्थव्यवस्था में कायम असंतुलन दूर करने का प्रयास नहीं होता, महंगाई पर काबू पाना कठिन ही बना रहेगा।

आधुनिक जीवन का अभिशाप है हाई ब्लडप्रेशर

- ललित गर्ग -

उच्च रक्तचाप यानी हाई ब्लड प्रेशर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसके रोकथाम, पहचान और नियंत्रण को प्रोत्साहित करने के लिए हर साल 17 मई को 'विश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाया जाता है।' वर्तमान में दुनिया भर में उच्च रक्तचाप से करीब डेढ अरब से अधिक लोग पीड़ित हैं। दुनिया भर में उच्च रक्तचाप वाले अनुमानित 46 फीसदी लोग इस बात से अनजान हैं कि उन्हें उच्च रक्तचाप है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक उच्च रक्तचाप वाले पांच में से सिर्फ एक वयस्क इसे नियंत्रण में रखता है, जिसका अर्थ है कि 80 फीसदी को भारी खतरा है, जिसमें दिल का दौरा, स्ट्रोक, अनियमित दिल की धड़कन और गुर्दे को नुकसान पहुंचना आदि शामिल है। इस वर्ष की थीम के तहत 'अपने रक्तचाप को सटीक रूप से मापें, इसे नियंत्रित करें और लंबे समय तक जीवित रहें, इस पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उच्च रक्तचाप के प्रमुख कारण हैं मोटापा, तनाव, अस्वास्थ्यकर जीवनशैली, नियमित शारीरिक गतिविधि न करना, धूम्रपान, अल्कोहल, आहार में सोडियम (नमक) की अत्यधिक मात्रा और मधुमेह जैसी कुछ स्थितियाँ भी इसका कारण बन सकती हैं। गर्भावस्था के दौरान भी उच्च रक्तचाप हो सकता है।

नयी सदी की दहलीज पर खड़े महत्वाकांक्षी युवा-वर्ग के सामने प्रतिस्पर्धाओं का अंतहीन माहौल है। यदि वह इस बाधा दौड़ में हारता है, तो नकारात्मक तनावों से घिर जाता है, यदि जीतता है तो नयी-नयी स्पर्धाओं का चुनौती भरा संघर्ष फिर शुरू हो जाता है। अपनी विजय को स्थायी रखने तथा नये-नये कीर्तिमान स्थापित करने के लिए छल-प्रपंच और झूठ का सहारा लेता है। वैज्ञानिक कहते हैं दुनिया में जितना अधिक झूठ बड़ा है, उतना ही अधिक हाई ब्लड प्रेशर का खतरा भी बड़ा है। झूठ का रास्ता कभी सीधा नहीं होता। उबड़-खाबड़, टेढ़ा-मेड़ा और घुमावदार होता है वह। कुटिल व्यक्ति के विचार सदा प्रदूषित रहते हैं। यह मन का प्रदूषण उच्च रक्तचाप की जड़ है। उच्च रक्तचाप से जुड़े तमाम खतरों के बीच प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुओं (अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड) का बढ़ता चलन चिंताजनक है। चिंता इसलिए कि खतरों को जानते-बूझते भी ऐसे खाद्य पदार्थों की बाजार में उपलब्धता ज्यादा होने लगी है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के हाल ही में सामने आए एक अध्ययन में बताया गया है कि नियमित रूप से प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ खाने से समय पूर्व मौत का जोखिम चार फीसदी बढ़ जाता है, जिसमें उच्च रक्तचाप प्रमुख है। आमतौर पर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ रेडी टू यूज होते हैं। पैकेट वाले स्नैक्स, डिब्बाबंद फूड, कोल्ड ड्रिंक इसकी श्रेणी में आते हैं। हाई ब्लडप्रेशर का खतरा महिलाओं से ज्यादा पुरुषों में होता है। इससे बचने के लिए न केवल डाइट और लाइफ स्टाइल पर ध्यान देने की जरूरत है बल्कि तनाव को कम करना और शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए एक्सरसाइज भी बेहद जरूरी है। आजकल 18 साल से 50 वर्ष के लोग हाइपरटेंशन के अधिक शिकार हैं। हालांकि साठ साल की उम्र से पहले पुरुषों में उच्च रक्तचाप का खतरा ज्यादा रहता है, पर बाद में स्त्री-पुरुष दोनों में ही खतरे की आशंका बराबर होती है। देखा गया है कि जो व्यक्ति गुस्सा नहीं करते, वो कम बीमार होते हैं। जिस व्यक्ति को गुस्सा ज्यादा आता है, उनमें ब्लडप्रेशर, हाइपरटेंशन, गंभीर रूप से पीठ में दर्द की शिकायत देखी गई है। इसके साथ ही ऐसे लोगों को पेट की शिकायत भी हो सकती है। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस उच्च रक्तचाप की रोकथाम और नियंत्रण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिसमें नियमित व्यायाम करना, स्वस्थ भोजन और संतुलित आहार खाना, तंबाकू, अत्यधिक शराब और धूम्रपान से बचना शामिल है। जीवनशैली में ये बदलाव उच्च रक्तचाप और इसकी जटिलताओं के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं। व्यक्ति की भावनाएं, सोच, विचार और आदत में अन्तरसंबंध होता है। हमारे विचार, हमारे सोच को प्रभावित करते हैं और सोच से आदत बदलती है। इसके लिए आपको नियमित व्यायाम करना चाहिए। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस का एक प्रमुख संदेश नियमित रक्तचाप की निगरानी का महत्व है। उच्च रक्तचाप को अक्सर 'साइलेंट किलर' कहा जाता है क्योंकि आमतौर पर इसके कोई लक्षण नहीं होते हैं जब तक कि यह गंभीर जटिलताएं पैदा न कर दे। नियमित रक्तचाप जांच से उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने और जटिलताओं को रोकने के लिए समय पर हस्तक्षेप करने में मदद मिल सकती है। स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर द्वारा बताई गई दवाएं लेना भी शामिल है। चिकित्सा-विज्ञान की अपूर्व प्रगति ने मनुष्य को इस जीवनघाती व्याधि से बचाने में कल्पनातीत सहयोग दिया है। रोग-निदान करने वाले अति संवेदी सूक्ष्म उपकरण, औषध-विज्ञान और सफल शल्य-क्रिया-ये सब किसी मृत्युंजयी तत्व से कम नहीं हैं। आश्चर्य तो इस बात का है कि इतना सब कुछ होते हुए भी उच्च रक्तचाप जैसी जानलेवा बीमारी का राक्षसी-पंजा नियंत्रण के बाहर है। जो चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं, वे आम-आदमी के लिए अलभ्य हैं। इस महंगी चिकित्सा-सेवा के द्वारा संपन्न व्यक्ति भले ही मृत्यु के निमंत्रण को एक अवधि तक टाल दें, किंतु गरीबों की दयनीय दशा की कल्पना कौन कर सकता है? मियामी विश्वविद्यालय अमेरिका के वैज्ञानिकों/डॉक्टरों ने अपनी संयुक्त विज्ञप्ति में अपील की है कि मानसिक तनावों को अपने पर हावी न होने दें। इस संबंध में लोगों को स्वस्थ जीवन जीने के तौर-तरीके सिखाने चाहिए। उनका मानना है कि निरंतर तनाव-ग्रस्त रहने और भोजन में चिकने पदार्थों का अधिक सेवन करने वालों पर हाई ब्लड प्रेशर का आक्रमण आसानी से हो जाता है। तनाव मुक्त रहने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक शक्ति सुरक्षित रहती है।

तमाम तरह के शोध इस बात का खुलासा करते रहे हैं कि ऐसे डिब्बा बन्द खाद्य पदार्थों में शुगर, फैट और नमक की मात्रा काफी अधिक होती है, जबकि फाइबर व अन्य पोषक तत्व कम होते हैं। इसीलिए प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुएं उच्च रक्तचाप से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा देती हैं। लोग बेपरवाह होकर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। खास तौर से नई पीढ़ी को ऐसी खाद्य वस्तुएं अधिक लुभा रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनॉमिक रिलेशंस की ओर से जारी एक रिपोर्ट में पाया गया कि भारत का प्रसंस्कृत खाद्य बाजार 2011 से 2021 तक 13.37 फीसदी की सालाना दर से बढ़ा है। हालांकि कोविड-19 महामारी के दौरान इस क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर 5.50 प्रतिशत रह गई थी, लेकिन यह अस्थायी दौर था। इसके बाद फिर इनकी उपलब्धता सहज होने लगी। उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रोगियों में नियंत्रित परीक्षणों से पता चलता है कि पूरक पोटेशियम, फाइबर, एन-3 फैटी एसिड और फलों और सब्जियों से भरपूर और कम संतृप्त वसा वाले आहार से रक्तचाप में कमी आती है। कुछ जनसंख्या अध्ययन आहार प्रोटीन और रक्तचाप के स्तर के बीच विपरीत संबंध दिखाते हैं। नियमित रूप से कॉफी पीने से उच्च रक्तचाप के रोगियों में रक्तचाप बढ़ जाता है। 'तनाव' की भूमिका रहस्यमय बनी हुई है, 'नौकरी का तनाव' एवं 'पारिवारिक तनाव' उच्च रक्तचाप के लिए एक संभावित स्वतंत्र जोखिम कारक है।

चिंता इस बात की है कि खतरनाक बन रही खाद्य वस्तुओं को बाजार से हटाने का भारत में मजबूत तंत्र नहीं है। यहां तक कि शराब और धूम्रपान जैसे नशे की चीजों को नियंत्रित करने के लिए भी कोई ठोस नीति नहीं है। असल में उच्च रक्तचाप को लेकर सरकारी स्तर पर कोई चिंतन एवं चिन्ता भी नजर नहीं आती। यह बात सही है कि केंद्र और राज्य की सरकारों ने लोगों के पोषक आहार के लिए कई कार्यक्रम चलाए हैं, लेकिन बाजार में बिक रही उच्च रक्तचाप के लिए नुकसानदेह वस्तुओं पर लगाम लगाने के लिए कोई ठोस नीति नहीं है। लुभाने वाले विज्ञापन इन उत्पादों को बढ़ावा दे रहे हैं। लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ की किसी को इजाजत नहीं दी जा सकती। जरूरी है कि सरकार नुकसानदायक खाद्य पदार्थों को लेकर सख्त विज्ञापन और विपणन नीति तो बनाए ही, इसे सख्ती से लागू भी करें।

ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92
फोनः 22727486, 9811051133

विचार सरिता

मन में बसे हैं राम : 149 सीता जी के रूप में लक्ष्मीजी का अयोध्या के राजप्रासाद में स्वागत

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

अयोध्या का राज परिवार मिथिला से आई हुई बहुओं के स्वागत के लिए तैयार है। डोली युक्त रथ के शीर्ष भाग को एक बड़े पीत वस्त्र से ढंका गया। राज परिवार की स्त्रियों ने वर और वधू को आशीर्वाद देते हुए अपने आंचल में रखे हुए धान को डोली के ऊपर दूर से ही फेंकते हुए डोली की परिक्रमा की। इसके बाद मंगल कलश लेकर एक स्त्री खड़ी हुई। माता कौशल्या समेत अन्य स्त्रियों ने अक्षत, कुमकुम का टीका लगाया और दीप ज्योति की ऊष्मा को अपने हाथ में लेकर श्री राम तथा सीता जी के मस्तक तथा उनके सिर पर बंधे हुए मौर का स्पर्श कराया। अन्य रस्मों को पूर्ण करते हुए वर रूप में श्री राम और वधू रूप में सीता जी की आरती भी की गई।

रथ से उतरते हुए सीता जी ने चावल से भरे हुए बड़े थाल में सबसे पहले अपना दाहिना पैर रखा।आज जगत जननी सीता जी के चरण अयोध्या धाम में पड़ रहे हैं। उनका आगमन अयोध्या में धन- धान्य और समृद्धि का संवर्धन है। उनके साथ श्री राम हैं। दोनों की अगवानी करते हुए माताओं के मुख पर प्रसन्नता है और वातावरण में हास परिहास है। मुख्य द्वार से थोड़ा भीतर आने पर सीता जी ने चावल कलश को अपने दाहिने पैर से गिराया। उनके पैरों के आलते की छाप राजप्रासाद के कक्ष में बन रही है। उन्होंने अपने पति श्री राम के साथ पूर्वजों की पूजा की और दीवारों पर अपने हाथों का छापा दिया। सीता जी ने अपने दोनों हाथों में चावल भरकर माता कौशल्या के आंचल में सात बार भरा। अंजलि भरने की इस रस्म को सीता जी ने बड़ी कुशलतापूर्वक संपन्न किया। यह इस बात का प्रतीक है कि अयोध्या का भंडार उनके हाथों में सुरक्षित है और उनका उचित रीति से उपयोग किया जाएगा। इसके बाद नहडोरी की रस्म हुई। दोनों को प्रतीकात्मक स्नान कराया गया। कंकन मौर छुड़वाने की रस्म संपन्न हुई। कन्यादान के समय सीता जी के मायके जनकपुरी से लाए गए जल से भरे हुए परात में कौड़ी,स्वर्ण मुद्रा तथा अन्य चीजों को डालकर मुद्रा ढूंढने की रस्म हुई। पुरोहित जी द्वारा प्रथम बार वृत्ताकार स्वर्ण मुद्रा और अन्य चीजें डालने पर सीता जी और श्री राम ने उसे ढूंढना प्रारंभ किया। प्रथम बार मुद्रा जानकी जी को मिली, तो दूसरी बार यह मुद्रा राम जी के हाथ लगी। दोनों को सात- सात बार यह अवसर दिया गया और सर्वाधिक बार मुद्रा प्राप्त करने के कारण इसमें जानकी जी की विजय हुई। इस मनोरंजक खेल में न श्री राम जीतना चाहते थे और न जानकी जी।

(भगवान श्री विष्णु के मनुज अवतार भगवान श्री राम और माता सीता की कथा हजारों वर्षों से भारतीय जनमानस में प्रचलित है। संस्कृत में आदिकवि वाल्मीकि और हिंदी साहित्य में अवधी के महाकवि तुलसी से लेकर विश्व की अनेक भाषाओं में अब तक सैकड़ों रामायण लिखी गई हैं। लेखक ने इस रचना में श्री राम की महागाथा के विविध प्रसंगों से कथा प्रवाह की प्रेरणा प्राप्त की है। उन्होंने उन रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए एक साधारण भक्त की अपनी कल्पनादृष्टि से रामकथा की मौलिक साहित्यिक प्रस्तुति का प्रयत्न किया है।)

शब्द सामर्थ्य -059

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छींक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, बक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे
1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. चयन, चाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

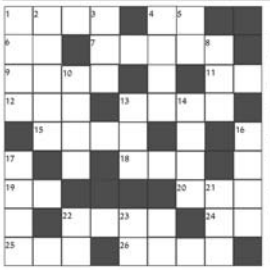

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 058 का हल

दि	छ	त		आ	सा	न		आ
ल		भी		छि		सी	ख	ना
म	ज	बू		र		ह		जा
स	दं			का		त	रा	ना
र				र	वि		ह	
प	ह	ना	ना		ना	रा	ज	
ट			क	शि	श		नी	ला
	र			का		रा		य
खा	ति	र	दा	री		त	क्ष	क

सू- दोकू क्र. 059

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.058 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

राशिफल

मेष
आपके लिए आज का दिन उम्मीदों से भरा रहेगा। आपके कामकाजी जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। आपकी पदोन्नति या नई नौकरी मिलने के योग हैं। आपके जीवन में खुशहाली आएगी। आप किसी बड़ी संपत्ति में निवेश करेंगे। आपके आय में वृद्धि होगी साथ ही आप आमदनी के नए अवसर भी खोजेंगे।

वृषभ
आज आपका दिन खास रहेगा। आज आप कुछ नई बातें सीखेंगे। सरकारी नौकरी की तैयारी करने वालों के लिए अच्छा समय है। आज आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा। इस दौरान आपको अपने कौशल के दम पर नौकरी मिलेगी। आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आप किसी नए रिश्ते की शुरुआत भी कर सकते हैं।

मिथुन
आज का दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह आपको प्रसन्नता होगी। समस्याओं से घबराने के बजाय उनको सुलझाने की कोशिश करें। अनुभवी की सलाह भी लें।

कर्क
आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपको जीवन में कुछ नए अवसर मिलेंगे। जो आपकी पर्सनल लाइफ के लिए अच्छे रहेंगे। अभी आप नौकरी बदलने की सोच रहे हैं या पदोन्नति पाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे, तो आपकी योजनाएं सफल होंगी। आज आप जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

सिंह
आज का दिन उत्साह भरा होगा। इस राशि के लोगों को अपने विरोधियों से जीत हासिल होगी। आज आप जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। आज आपको कर्जमाफी से लाभ भी मिल सकता है। आज हो सके तो नये कामों को शुरूआत कर दें, सफलता मिलने के योग बने हुए हैं।

कन्या
आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आप आज आशावादी बने रहेंगे। आपका सोशल सर्किल बेहतर होगा। साथ ही दूसरों के साथ बातचीत करने के कौशल में भी सुधार होगा। आज आप किसी की मदद भी कर सकते हैं। सामने आयी समस्याओं को सुलझाने में आप सफल साबित होंगे।

तुला
आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आप अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए नई रणनीति बनाएंगे। इससे आपकी योजनाएं सफल होंगी। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज आपके किसी प्रोजेक्ट की प्रशंसा भी होगी। जो लोग काफी दिनों से नौकरी के लिए परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। उनके लिए दिन शुभ है।

वृश्चिक
आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आज आपको कोई नई जानकारी मिलेगी, जो आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। आज कार्यों में बदलाव करने से बचे। अगर व्यवसाय में कोई नया काम शुरू करने की योजना बना रहे हैं तो उससे संबंधित और अधिक जानकारी हासिल करना जरूरी है।

धनु
आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज अचानक मित्र से मुलाकात होगी। आप उनसे करियर को लेकर विचार विमर्श भी करेंगे। मानसिक सुकून पाने के लिए धार्मिक तथा आध्यात्मिक गतिविधियों में समय बिताएंगे। आज आपको सुखद जीवन जीने के लिए कई अवसर मिलने वाले हैं।

मकर
आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई पर ध्यान देंगे। आज किसी खास प्रयोजन को लेकर यात्रा संबंधी प्रोग्राम बन सकता है। रिश्तेदारों के आने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। घर के बड़े बुजुर्गों का स्नेह व आशीर्वाद अवश्य लें तथा उनका मान-सम्मान व आदर करें।

कुंभ
आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके कार्यों के लिए कारगर साबित होगी। दूसरों से उम्मीद करने के बजाय अपनी मेहनत और क्षमता पर विश्वास रखें, काम सुचारू रूप से बनते जाएंगे। आज सहज तरीके से अपने कार्यों को व्यवस्थित करते चलें।

मीन
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आपके बच्चे बिजनेस में आपका पूरा सपोर्ट करेंगे। पूंजी के उचित निवेश के लिए आपको थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए। आज परिस्थिति को ठीक से समझने की कोशिश करेंगे तो आपको आसानी से हल मिल जायेगा। अपने जीवनसाथी को सलाह जरूर दें।

सामयिक चर्चा

थिंक फार द गुड

अखबार पढ़कर बानी बोले- गजाधर
अब मुझे भी धीरे-धीरे
सबकुछ समझ में आ रहा है।
हमारे छत्तीसगढ़ के एक छोटे से शहर से
शुरू हुआ महादेव सट्टेबाजी मोबाइल ऐप
दुबई से चलाया जा रहा है,
खुद भारत सरकार की जांच एजेंसी
कहती है कि इसमें हजारों करोड़ रूपये
इधर-उधर किये गये हैं।
विदेशों में भी भेजे गये हैं।
डेढ़ बरस से छत्तीसगढ़ ईडी
इसके खुलासे कहते आ रही है।
अदालत में बड़े-बड़े लोगों के
नाम लिये गये हैं।
लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि
भगवान महादेव के नाम पर चल रहे जुर्म
अब तक बंद क्यों नहीं किये गये हैं?
गजाधर मुस्कराए बोले-
चिन्ता न करो बानी।
ये महादेव सट्टे से बहुतों को हो रही है परेशानी।
अब तक हमारी सरकार चुनाव में व्यस्त रही भाई
इसलिए सट्टेबाजी की ओर ध्यान नहीं दे पाई।
अब चार जून के बाद, आचार संहिता समाप्त होने के बाद
देखना, भारत सकरार महादेव सट्टा पर रोक लगाएगी,
और जाने कितने-कितने
लोगों के जीवन में
खुशहाली लाएगी।

- गिरीश बख्शी

हर समस्या का हल सैनिक अभियान नहीं

इस्राइल ने दक्षिणी गाजा के शहर राफा में सैनिक अभियान शुरू कर दिया है। सेना ने सोमवार रात को राफा में हवाई हमले किए जिनमें 23 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई।

इस सैन्य कार्रवाई के बाद इस्राइल और फिलिस्तीन के बीच संभावित युद्ध-विराम के रास्ते बंद हो गए हैं। हैरानी की बात है कि इस्राइल के पैरोकार अमेरिका की अनिच्छा और अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के विरोध के बावजूद इस्राइल गाजा को पूरी तरह तबाह करने पर आमादा है। विचारणीय प्रश्न यह है कि आखिर. इस्राइल और उसके प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को शांति की राह छोड़कर युद्ध के पथ पर चलने की ताकत और प्रेरणा कहां से मिल रही है।

करीब आठ महीने से चल रहे इस युद्ध के बारे में कहा जा सकता है कि इस्राइल अब आत्मरक्षा के लिए नहीं, बल्कि घरेलू राजनीति में बढ़त बनाने के लिए यह युद्ध लड़ रहा है। हमास युद्ध विराम के लिए तैयार है, लेकिन इस्राइल ने यह कहते हुए इस प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया कि इससे उसकी मुख्य मांगें पूरी नहीं होतीं। गाजा पट्टी के शहर राफा में करीब 14 लाख फिलिस्तीनी शरण लिए हुए हैं जो इस्राइल के ताजा सैन्य अभियान से डरे और सहमे हुए हैं। इनका जीवन संकटग्रस्त है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने चेतावनी दी है कि राफा में जमीनी कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी लेकिन इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने अपने कान बंद कर रखे हैं। इस्राइल के सैनिक अभियान से जाहिर होता है कि वह इसके जरिए अपने बंधकों को रिहा कराना और हमास के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करना चाहता है। हालांकि सैन्य कार्रवाई के जरिए बंधकों की रिहाई आसान नहीं है। हकीकत यह है कि इससे बंधकों की जान को खतरा पहुंच सकता है। वास्तव में युद्ध-विराम और शांति समझौते के रास्तों पर आगे बढ़कर ही बंधकों की सुरक्षित रिहाई संभव है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि हर समस्या का हल सैनिक अभियान नहीं हो सकता। आक्रामक सैनिक अभियान से गाजा के मासूम नागरिक ही मारे जाएंगे।

चार सीटों पर उपचुनाव की संभावना, तीन पर कांग्रेस को मिली थी जीत, एक बीजेपी का अभेद गढ़

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में लोकसभा की 11 सीटें हैं। तीन चरणों में राज्य की सभी 11 सीटों पर मतदान हो चुका है। मतदान के बाद जहां उम्मीदवार समीक्षा बैठकें कर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफचार लोकसभा सीटों पर चार विधायकों को टिकट दिया गया है। बीजेपी ने एक विधायक को टिकट दिया है वहीं, कांग्रेस ने तीन विधायकों को टिकट दिया है। अब इन सीटों में उपचुनाव को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि किस सीट पर चुनाव होगा इसका फैसला 4 जून को रिजल्ट आने के बाद होगा। हालांकि रिजल्ट आने से पहले ही इस चार विधानसभा सीटों पर नेता सक्रिय हो गए हैं। यहां लॉबिंग शुरू हो गई है।

कौन-कौन से विधायक, लोकसभा लड़ रहे हैं

रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट से बीजेपी के सीनियर नेता बृजमोहन अग्रवाल रायपुर लोकसभा सीट से बीजेपी के उम्मीदवार हैं। दुर्ग जिले की पाटन विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक भूपेश बघेल इस बार राजनांदगांव लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, कोंटा विधानसभा सीट से विधायक कवासी लखमा इस बार बस्तर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, भिलाई विधानसभा सीट से विधायक देवेन्द्र यादव इस बार बिलासपुर लोकसभा सीट से उम्मीदवार हैं। बीजेपी ने केवल रायपुर लोकसभा सीट से विधायक को टिकट दिया है।

रिजल्ट से पहले तैयारियों में लगे नेता

4 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की संभावना को देखते हुए राजनीतिक गलियारों में अटकलें शुरू हो गई हैं। भाजपा और कांग्रेस के दावेदार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रमों में भी नेताओं की सक्रियता बढ़ गई है। बीजेपी सूत्रों का कहना है कि रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर अभी से रस्साकशी तेज हो गई है। बीजेपी सूत्रों का कहना है कि पार्टी इस सीट पर अपनी जीत तय मान रही है। जिसे लेकर बीजेपी और कांग्रेस दोनों प्रत्याशियों ने सक्रियता बढ़ा दी है।

क्या है नियम?

गौरतलब है कि यदि पहले से ही सांसद या विधायक दूसरा चुनाव लड़ते हैं और उसमें जीत दर्ज करते हैं तो उन्हें एक पद छोड़ना पड़ता है। इस बार चार विधायक चुनाव मैदान में हैं। अगर चारों चुनाव जीत जाते हैं तो उन्हें दो में से किसी एक पद से इस्तीफा देना पड़ेगा। अगर विधायक पद छोड़ते हैं तो इस्तीफे की सूचना विधानसभा सचिवालय को भेजी जाती है। विधानसभा सचिवालय रिक्त विधानसभा सीटों की जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय को भेजता है। जिसके बाद खाली हुई सीट पर 6 महीने के अंदर निर्वाचन आयोग उपचुनाव कराते हैं। छत्तीसगढ़ में अक्टूबर-नवंबर में उपचुनाव हो सकते हैं।

अनवर ढेबर की जमानत याचिका कोर्ट ने की खारीज

रायपुर, (आरएनएस)। कांग्रेस शासन काल में शराब घोटाले को मुख्य आरोपी अनवर ढेबर की जमानत याचिका को खारिज करते हुए विशेष न्यायाधीश ने रिमांड अवधि बढ़ा दी है। वहीं दुर्ग के शराब कारोबारी त्रिलोक सिंह ढिल्लन की जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई होगी। इस मामले के अन्य आरोपी आईटीएस अफसर एपी त्रिपाठी और उनके सहयोगी रहे अरविंद सिंह की भी रिमांड 30 मई तक बढ़ गई है। इन सभी को एसीबी ईओडब्लू ने कोर्ट में पेश किया था। ईडी के अनुसार 2017 में शराब की खरीद और बिक्री के लिए सीएसएमसीएल बनाई गई थी, लेकिन सरकार बदलने के साथ ही ये सिंडिकेट के हाथ का एक टूल बन गई।

आरोप है कि सीएसएमसीएल से जुड़े कामों के लिए सारे कॉन्ट्रैक्ट इस सिंडिकेट से जुड़े लोगों को ही दिए जा रहे थे।

ठेलकाडीह पुलिस ने किया महिलाओं को साइबर ठगी से जागरूक, बताए बचने के उपाय

ठेलकाडीह (दावा)। ग्राम पदुमतरा में वित्तीय धोखाधड़ी एवं साइबर ठगी से बचने की जानकारी दिया, साथ ही महिलाओं को अभिव्यक्ति एप के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दिया। इस दौरान प्रमुख रूप से ठेलकाडीह थाना प्रभारी धर्मेंद्र वैष्णव उपस्थित रहे वित्तीय साक्षरता से तेजस्वी वर्मा राजकुमार, विष्णु वर्मा, नरेंद्र रजक, पंच मुरली साहू एवं ग्राम की महिलाएं उपस्थित रहे। प्रभारी वैष्णव ने जानकारी देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में साइबर क्राइम की धोखाधड़ी ज्यादा हो रही है। साइबर क्राइम अपराध करने वाले ग्रामीण क्षेत्र में भोली-भाली जनता को अपना लॉटरी का प्रलोभन देकर निशाना बनाते है। आपको अपने खाते की जानकारी, संबंधी आधार कार्ड, पैन कार्ड, एटीएम किसी अनजान व्यक्ति के साथ शेयर न करें। अपने मोबाइल फोन पर अनजान व्यक्ति से फ्रेंड रिक्वेस्ट न भेजें। इसके अलावा ऑनलाइन जॉब क्रेडिट व डेबिट कार्ड की डिटेल प्राप्त कर भी साइबर ठग खातों से रुपये उड़ाते हैं। उन्होंने सभी से अपील की है कि लोग झूठे प्रलोभन से बचें। इसके बावजूद साइबर क्राइम के शिकार होते हैं तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दे।

पहला कॉलम...

पुलिस द्वारा किरायेदारों के सत्यापन हेतु शहर में कराई गई मुनादी

मकान मालिकों को किरायेदारों का सत्यापन कराने दी गई हिदायत

डोंगरगढ़ (दावा)। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग एवं अति पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी डोंगरगढ़ आशीष कुजाम के दिशा एवं निर्देश पर डोंगरगढ़ क्षेत्र में चोरी, लूट, नकबजनी जैसे अपराधों के रोकथाम हेतु थाना प्रभारी डोंगरगढ़ निरीक्षक सी.आर. चन्द्रा द्वारा दिनांक 16 मई को शहर में मुनादी कराकर मकान किरायेदारों का सत्यापन अभियान प्रारंभ किया गया है।

जिसके अन्तर्गत किरायेदारों से वैध पहचान पत्र, किराये में रहने के कारण व काम सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर जांच की जा रही है। इसी प्रकार मकान मालिकों को भी अपने किरायेदारों का थाना में सत्यापन कराने हेतु हिदायत दिया जा रहा है। यदि मकान मालिकों द्वारा अपने किरायेदार का सत्यापन नहीं कराता है और वह किरायेदार कोई अपराध घटित करता है या संदिग्ध हालत में पकड़ा जाता है तो उस मकान मालिक के विरूद्ध भी वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

लालच में फंसकर युवती ने गंवाई साढ़े 8 लाख रुपए

रायपुर, (आरएनएस)। लक्ष्मीनगर टिकरापारा में ज्यादा पैसा कमाने का झांसा देकर अज्ञात आरोपी ने युवती से 8लाख 50680 रुपए का धोखाधड़ी किया। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया पिंकी साहू 29 वर्ष लक्ष्मीनगर टिकरापारा की रहने वाली है। बताया जाता है कि प्रार्थिया के पास अज्ञात मोबाइल नंबर 96291-64513 से कॉल आया। उक्त व्यक्ति ने आन लाईन टास्क पुरा करने पर ज्यादा पैसा कमाने का झांसा देकर प्रार्थिया को अपने जाल में फंसाया और उससे अलग-अलग खातों में 8,50,680 रुपए जमा कराकर धोखाधड़ी किया। प्रार्थिया की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

घर के बाहर खड़ी बाइक पार

रायपुर, (आरएनएस)। टैगोरनगर में घर के बाहर खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अहमद खान 26 वर्ष टैगोरनगर का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एनडी 3648 को घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 50 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक से मारपीट

रायपुर (आरएनएस)। विजय नगर चौक खम्हारडीह में पुरानी रंजिश के चलते चार युवकों ने एक युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर खम्हारडीह पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अर्जुन विभार 24 वर्ष विजय नगर चौक का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी भावेन्द्र साहू, राहुल पांडे, हेमंत चोले व आशीष नायक ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर खम्हारडीह पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 506, 323, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौत

रायपुर,(आरएनएस)। ग्राम टोर के पास एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दिया। जिससे बाइक सवार अधेड़ की मौत हो गई। मामले में विधानसभा पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक मनोज वर्मा 49 वर्ष नेवरा का रहने वाला था। बताया जाता है कि मनोज अपनी बाइक से कल शाम कहीं जा रहा था, तभी ग्राम टोर के पास पिकअप क्रमांक सीजी 04 एनजेड 8113 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दिया। जिससे बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मामले में विधानसभा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पिकअप चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

महिला से दुष्कर्म करने वाले आरोपी ठेलकाडीह पुलिस की गिरफ्त में

खैरागढ़ (दावा)। खैरागढ़ जिले के थाना ठेलकाडीह क्षेत्र की महिला को प्रेमजाल में फंसाकर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने की खबर सामने आई है। आरोपी डॉ0 महेन्द्र वर्मा पिता मानिकलाल वर्मा उम्र 38 साल निवासी डिलापहरी के साथ जान पहचान होने व घरेलू पारिवारिक डॉक्टर होने के कारण स्वास्थ्य खराब होने पर ईलाज किया करता था। जो अक्सर कहता था कि तुम सुंदर हो, पढी लिखी हो मै तुमसे विवाह कर पत्नी बनाकर रखुंगा कहकर शादी का प्रलोभन देकर मेरे साथ जबरदस्ती शारीरिक सबंध बनाकर अश्लील व्हाट्सअप चैट करने, अश्लील विडियो व फोटोग्राफ वायरल करने तथा जान से मारने की धमकी देकर लगातार तीन साल तक शारीरिक सबंध स्थापित किया है, कि रिपोर्ट पर थाना ठेलकाडीह में धारा 376(2)(ढ),506 भादवि0, धारा 67 आईटी कायम कर विवेचना मे लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बसंल (आईपीएस) द्वारा आरोपी की त्वरित गिरफ्तारी हेतु निर्देश प्राप्त हुआ था। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती नेहा पाण्डेय एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी खैरागढ़ लालचंद मोहले के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी ठेलकाडीह धर्मेन्द्र वैष्णव के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपी को ग्राम डिलापहरी थाना लालबाग जिला राजनांदगांव आरोपी के सकुनत पर घेराबंदी का पकड़ा गया, जिसे हिरासत में लेकर बारीकी से पुछताछ करने पर अपराध घटित कारित करना स्वीकार किया। आरोपी का उक्त कृत्य धारा 376(2)(ढ),506 भादवि0, धारा 67 आईटी के तहत दण्डणीय अपराध होने से आरोपी डॉ0 महेन्द्र वर्मा पिता मानिक लाल वर्मा उम्र 38 साल डिलापहरी थाना लालबाग जिला राजनांदगांव छ.ग. को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर ज्यूडिशियल रिमांड पर जेल भेजा गया। संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी थाना ठेलकाडीह निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार वैष्णव, सउनि. धन्ना लाल सिन्हा, आरक्षक भागवत जंघेल का विशेष सराहनीय योगदान रहा।

मंडल के 19 रेल्वे स्टेशनों में नये नियम से ए.टी.वी.एम. संचालन हेतु फैसिलिलेटर की नियुक्त प्रक्रिया जल्द शुरु

राजनांदगांव (दावा)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल के अंतर्गत वर्तमान में 15 रेलवे स्टेशनों पर एटीवीएम (ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन) सुविधा उपलब्ध है ताकि यात्रियों को त्वरित टिकट प्राप्त करने में सुविधा हो साथ ही टिकट काउंटरों में लगने वाले कतारों से निजात मिल सकें।

नये नियम में अब बाहरी व्यक्तियों के लिए भी सेवानिवृत्त रेलकर्मियों की तरह एटीवीएम संचालन सुविधा

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल द्वारा इस सेवाओं को विस्तार करते हुए एटीवीएम संचालन हेतु फैसिलिलेटर की नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है। नई नियमावली के अनुसार अब बाहरी व्यक्तियों के लिए भी सेवानिवृत्त रेलकर्मियों की तरह ही टेंडर जारी किया जाना है ताकि इसमें आम लोग भी भाग ले सकेंगे। हालांकि इसमें प्राथमिकता पहले सेवानिवृत्त रेलकर्मियों को ही दी जाएगी। अगर वह टेंडर प्रक्रिया में नहीं आते हैं तो बाहरी लोगों को मौका दिया जाएगा। ज्ञात हो की जारी एटीवीएम स्मार्ट कार्ड से कार्डधारक ग्राहक भी मशीन में अपना कार्ड लगाकर खुद ही टिकट निकाल सकेंगे। इसके लिए कार्डधारक को अपने कार्ड को समय-समय पर रिचार्ज करना होगा। कार्ड को रिचार्ज करने पर ग्राहक को 3 प्रतिशत हर रिचार्ज के रुपए पर अतिरिक्त बोनस दिया जाता है।

मंडल के उपरोक्त 15 स्टेशनों पर एटीवीएम संचालन हेतु समय सीमा की अवधि लगभग समाप्ति पर है और अब नए नियम के आधार पर वर्तमान में उपलब्ध 15 रेलवे स्टेशनों के अतिरिक्त 4 अन्य स्टेशन इस प्रकार कुल 19 रेलवे स्टेशनों पर एटीवीएम संचालन हेतु फैसिलिलेटर की नियुक्त प्रक्रिया जल्द शुरू की जा रही है।

एटीवीएम संचालन हेतु फैसिलिलेटर की नियुक्त हेतु निविदा समाचार पत्रों के माध्यम से जल्द जारी किया जायगा और निर्धारित योग्यता के आधार पर सेवानिवृत्त रेलकर्मी के अलावा आम जनता भी भाग ले सकेंगे। एटीवीएम संचालन हेतु फैसिलिलेटरों की चयन प्रक्रिया नए नियमों के आधार पर किया जायेगा।

चारों धाम में दिव्य आत्माओं का वास है- विष्णु लोधी

दक्षिण भारत की यात्रा से लौटे विष्णु लोधी

डोंगरगढ़ (दावा)। चारों धाम की यात्रा से 15 जून को लौटे विष्णु लोधी ने बताया कि, यात्रा से शुभ फल एवं देश की अलग-अलग संस्कृति और धर्म के बारे में जानकारी मिलती है। धार्मिक ग्रंथों में चार धाम यात्रा को शुभ माना गया है। चारों स्थानों पर दिव्य आत्माओं का निवास है। इन चारों ही धाम को बहुत पवित्र स्थान माना जाता है। बद्रीनाथ को जहां सृष्टि का आठवां वैकुंठ कहा जाता है। जहां भगवान विष्णु छह महीने निद्रा में रहते हैं और छह महीने जागते हैं। वहीं केदारनाथ को भगवान शंकर के आराम करने का स्थान बताया गया है।

केदारनाथ में दो पर्वत है नर और नारायण। विष्णु के 24 अवतारों में से एक नर और नारायण ऋषि की यह तपोभूमि है। इन्हीं के तप से प्रसन्न होकर केदारनाथ में शिवजी ने दर्शन दिए थे। आदि शंकराचार्य द्वारा परिभाषित, प्रत्येक धाम एक विशेष युग का प्रतिनिधित्व करता है, बद्रीनाथ सत्य युग का प्रतिनिधित्व करता है, रामेश्वरम त्रेता युग का प्रतिनिधित्व करता है, द्वारका द्वापर युग का प्रतिनिधित्व करता है, और पुरी कलि युग का प्रतिनिधित्व करता है और चार धाम की यात्रा करने से व्यक्ति को हर तरह का लाभ मिलता है। यात्रा में उनके साथ पत्नी उत्तरा लोधी और बेटा भार्गव लोधी साथ रहें।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, छत्तीसगढ़ राज्य लोधी समाज के प्रदेश कोषाध्यक्ष, व लोधी ट्रेवल्स, लोधी पेट्रोलियम के संचालक विष्णु लोधी ने सम्पूर्ण चार धाम की यात्रा सपरिवार पूर्ण किए। जिसमें प्रमुख रूप से बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, जगन्नाथ, द्वारिका शामिल है। विष्णु लोधी ने कहा इन चारों स्थानों पर दिव्य आत्माओं का निवास है। इन चारों ही धाम को बहुत पवित्र स्थान माना जाता है। बद्रीनाथ को जहां सृष्टि का आठवां वैकुंठ कहा जाता है। जहां भगवान विष्णु छह महीने निद्रा में रहते हैं और छह महीने जागते हैं। वहीं केदारनाथ को भगवान शंकर के आराम करने का स्थान बताया गया है। केदारनाथ में दो पर्वत है नर और नारायण। विष्णु के 24 अवतारों में से एक नर और नारायण ऋषि की यह तपोभूमि है। इन्हीं के तप से प्रसन्न होकर केदारनाथ में शिवजी ने दर्शन दिए थे। आदि शंकराचार्य द्वारा परिभाषित, प्रत्येक धाम एक विशेष युग का प्रतिनिधित्व करता है, बद्रीनाथ सत्य युग का प्रतिनिधित्व करता है, रामेश्वरम त्रेता युग का प्रतिनिधित्व करता है, द्वारका द्वापर युग का प्रतिनिधित्व करता है, और पुरी कलि युग का प्रतिनिधित्व करता है।

गैस सुरक्षा संगोष्ठी संपन्न

राजनांदगांव (दावा)। ग्राम कोटरासरार में एल.पी.जी. पंचायत का और सेफ्टी सुरक्षा संगोष्ठी का कार्यक्रम रखा गया था। जिसमें एच.पी. सी.एल. कंपनी के क्षेत्रीय उप महाप्रबंधक पकंज रत्नपारखी सर और वरिष्ठ विक्रय अधिकारी कुंदन सर, रितेश यादव ने संगोष्ठी कार्यक्रम में सेफ्टी सुरक्षा के बारे में विस्तार से बताया कि, जैसे टंकी के ऊपर गैस चुल्हा होना चाहिए, कंपनी का ही सुरक्षा होज पाईप होना चाहिए, डी.बी.सी. कराऐ। जिससे उपभोक्ताओं को बीमा के बारे में बताया उज्जवला रिफिल करने पर 370 रू. सब्सिडी का लाभ ले, सेफ्टी सुरक्षा सब्सिडी संबंधित पाम्पलेट भी बाँटे गये। इस एल.पी.जी. पंचायत सेफ्टी सुरक्षा कार्यक्रम में कोटरासरार पंचायत के वरिष्ठ एवं महिलाएं 100 से अधिक संख्या में उपस्थित थे। सभी ने इस कार्यक्रम को सुना और सराहा गया। यह जानकारी एच.पी. गैस डीलर रितेश यादव के द्वारा दिया गया।

दो नाबालिग लड़कियां लापता

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दो नाबालिग लड़किया लापता हो गई है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने दोनों ही मामलों में अपहरण का मामला दर्ज कर जांच में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार 42 वर्षीय प्रार्थिया ने धरसींवा थाना में शिकायत किया कि उसकी 14 वर्षीय पुत्री को अज्ञात आरोपी ने बहला फुसलाकर भगा ले गया है।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर खैरागढ़-छुईखदान विकासखंड के ग्रामों में निकाली गई

खैरागढ़ (दावा)। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला कलेक्टर चंद्रकांत वर्मा के दिशा-निर्देश में में एवं डॉ गणेश दास वैष्णव मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला केसीजी के निर्देशन में, दिनांक 16 मई को जिले के दोनों विकासखंड खैरागढ़-छुईखदान में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया।

जिले के ग्रामीण अंचलों में डेंगू के लक्षण एवं बचाव के बारे में जानकारी दी गई डेंगू एडीज मच्छर के काटने से होता है। विशेष बात यह है कि यह एडिज मच्छर दिन के समय में ही काटता है। अतः पूरे शरीर ढकने वाला कपड़ा पहनना चाहिए। डेंगू के लक्षण अकस्मात तेज सिर दर्द, बहुत तेज बुखार, मांसपेशियों तथा जोड़ों में दर्द होना, आंखों के पीछे दर्द होना जो कि आंखों को घुमाने से बढ़ता है, जी मिचलाना एवं उल्टी होना गंभीर मामलों में नाक-मुंह-मसूड़ों से खून आना और त्वचा पर चकत्ते उभरना है। डेंगू से बचाव हेतु कूलर के पानी को खाली कर नाली में ना डालें, उसे जमीन की सतह पर फेंके, ताकि पानी सतह पर सूख जाए। कूलर पानी की टंकी पशु-पक्षियों के पीने के पानी का बर्तन फ्रिज की ट्रे, फूलदान इत्यादि को प्रति सप्ताह खाली करें, व धूप में सुखाकर प्रयोग करें, नारियल का खोल, बर्तन व टायरों में पानी जमा न होने दें। घरों के दरवाजे व खिड़कियों में जाली लगाएं। पैर में मोजे पहने एवं दिन में भी सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। बुखार आने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जाकर उपचार करावे याद रखें एडिस मच्छर स्थिर एवं साफ पानी में पैदा होते हैं।

श्री मेडिशाईन हॉस्पिटल द्वारा जांच एवं परामर्श शिविर का भव्य आयोजन

रायपुर (दावा)। न्यू राजेंद्र नगर अमलीडीह स्थित श्री मेडिशाईन हॉस्पिटल द्वारा दिनांक 18 मई शनिवार को सुबह 11 से शाम 4 बजे तक निःशुल्क पेट, लिवर रोग, किडनी एवं मूत्र रोग जांच एवं परामर्श शिविर आयोजन किया जा रहा है उक्त शिविर में डॉ.अरुण अय्यर गेस्ट्रोएन्ट्रोलॉजिस्ट, डॉ. करण सराफ नेफ्रोलॉजिस्ट एवं डॉ.राहुल कपूर यूरोलॉजिस्ट विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मरीजो को उपलब्ध परामर्श में आहार नली, छोटी आंत व अमाशय की बीमारियों की जांच एवं निदान, खून की उल्टी व दस्त की जांच, सभी प्रकार के लीवर संबंधित बिमारियों एवं लीवर के कैंसर का ईलाज, लीवर ट्रांसप्लांट संबंधी संपूर्ण ईलाज, मोटापे का ईलाज (गैस्टिक बलून स्थापित करना), बलून स्थापित करना, चेहरे या पूरे शरीर में सूजन, यूरिया, क्रिएटिनिन का बढ़ना, डायलिसिस एवं किडनी ट्रांसप्लांट, पेशाब में जलन, खून आना, पेशाब कम आना एवं प्रोटीन आना किडनी स्टोन का ईलाज, शुगर, बी.पी. और अन्य किसी भी वजह से खराब हुये किडनी की ईलाज, पेशाब की नली की पथरी, पेशाब की थैली एवं प्रोस्टेट कैंसर, बार-बार पेशाब आना या कम पेशाब होना, बुखार, कपकपी पेट एवं पीठ में दर्द, खांसी, छींक के साथ पेशाब का निकलना, पेशाब में मवाद एवं खून आना, पेशाब के रास्ते में मांस का बढ़ जाना, पेशाब की कमजोर धार या रुक-रुक के आना, पेशाब के बाद बूंदो का टपकता रहना जैसे बीमारियों का ईलाज किया जावेगा। उक्त शिविर में फ्री फाईब्रोस्कैन फ्री जीईआरडीएक्स जांच, फ्री ब्लड प्रेशर जांच, इन्वेस्टिगेशन में 20 प्रतिशत छूट, एंडोस्कोपी में 20 प्रतिशत की छूट, सभी दवाईयों में 7 प्रतिशत छूट, भर्ती मरीज 15 प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी।

पहला कॉलम...

जेट एयरवेज के मालिक नरेश गोयल की पत्नी अनीता गोयल का निधन

नई दिल्ली। जेट एयरवेज के मालिक नरेश गोयल की पत्नी अनीता गोयल का मुंबई में निधन हो गया है. उनका लंबे समय से कैंसर का इलाज चल रहा था. उनका अंतिम संस्कार आज मुंबई में किया जाएगा. जेट एयरवेज के फाउंडर नरेश गोयल भी कैंसर के मरीज हैं और इस समय जमानत पर बाहर हैं. परिवार से जुड़े सूत्रों ने बताया कि अनीता गोयल का निधन 3 बजे के आसपास हुआ जिसकी खबर मिलने के बाद रिश्तेदार और दोस्त अस्पताल पहुंचे. नरेश गोयल जमानत मिलने के बाद से ही पत्नी के साथ थे और जब अनीता गोयल ने अंतिम सांसें ली तो वो उनके पास थे. जेट एयरवेज के फाउंडर नरेश गोयल को हाल ही में दो महीने की अंतरिम जमानत मिली थी और वह मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जेल में बंद थे. नरेश गोयल ने बीमारियों को आधार बनाकर कोर्ट से राहत मांगी थी और 6 मई को अदालत ने मेडिकल आधार पर दो महीने की अंतरिम जमानत दे थी.

नया रिकॉर्ड! पहली बार 87 हजार के पार निकली चांदी, सोना भी हुआ महंगा

नई दिल्ली। भारत में सोने-चांदी के कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी है. गुरुवार 16 मई 2024 को वायदा बाजार में चांदी ने नया रिकॉर्ड बना दिया. आज सुबह चांदी रिकॉर्ड 87,217 रुपये प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गई. सोने की कीमतों में भी जबरदस्त इजाफा देखने को मिला और यह 73,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर बनी हुई है. गुरुवार को रूष्टङ्ग पर चांदी के भाव में जबरदस्त तेजी देखने को मिली और इसकी कीमत रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई. फिलहाल वायदा बाजार में चांदी 355 रुपये की तेजी के साथ 87,220 रुपये प्रति किलोग्राम पर बनी हुई है. वहीं बुधवार को चांदी 86,865 रुपये पर बंद हुई थी. चांदी के साथ-साथ घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में भी जबरदस्त इजाफा देखने को मिल रहा है. सोना एमसीएक्स पर 114 रुपये की तेजी के साथ 73,216 रुपये के भाव पर बना हुआ है. वहीं पिछले कारोबारी दिन सोना वायदा बाजार में 73,102 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था. घरेलू बाजार की तरह ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने के भाव में तेजी दर्ज की जा रही है. वहीं चांदी की कीमतों में आज गिरावट दर्ज की गई है. गुरुवार को कॉमैक्स पर गोल्ड जून फ्यूचर्स में सोना 1.22 डॉलर महंगा होकर 2,392.94 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया. वहीं चांदी कॉमैक्स पर मई फ्यूचर्स कॉन्ट्रेक्ट 0.12 डॉलर सस्ता होकर 29.60 डॉलर पर आ गई.

शेयर बाजार : सेंसेक्स 676 अंकों के उछाल के साथ हुआ बंद

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ बंद हुआ है. बाजार में दोपहर बाद निवेशकों की जोरदार खरीदारी के चलते सेंसेक्स फिर से 73000 के पार जाकर क्लोज हुआ है. बाजार में ये तेजी बैंकिंग, आईटी और एफएमसीजी स्टॉक्स में खरीदारी के चलते देखने को मिली है. मिडैकप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में खरीदारी रही. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 676 अंकों के उचाल के साथ 73,664 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 203 अंकों के उचाल साथ 22403 अंकों पर क्लोज हुआ है. बाजार में शानदार तेजी के चलते बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैपिटलाइजेशन में 3 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का उछाल देखने को मिला है. बीएसई पर लिस्टेड शेयरों का मार्केट कैप 407.35 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो पिछले सत्र में 404.25 लाख करोड़ रुपये रहा था. आज के निवेशकों की संपत्ति में 3.09 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है.

इंडोनेशिया में बारिश रोकने के लिए होगा क्लाउड सीडिंग का प्रयोग

एपी, तनह दातार। बारिश कराने के लिए आपने क्लाउड सीडिंग का प्रयोग करते सुना होगा। लेकिन बाढ़ग्रस्त इलाके में और बारिश न हो इसके लिए इंडोनेशिया क्लाउड सीडिंग का प्रयोग कर रहा है। दरअसल, इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से 67 लोगों की मौत हो गई और 20 लोग लापता हो गए। इस दौरान 44 लोग घायल भी हुए हैं। बाढ़ की वजह से कई घर पानी में बह गए। इसके कारण 1500 परिवारों को मजबूरन अस्थायी ठिकानों पर जाना पड़ा है।

सरकार की ओर से राहत कार्य किया जा रहा है, लेकिन मौसम विभाग ने और अधिक बारिश की आशंका जताई है। इससे डर है कि राहत कार्य में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसे टालने के लिए अधिकारी क्लाउड सीडिंग पद्धति का प्रयोग कर बाढ़ग्रस्त इलाके में होने वाली बारिश को पहले करवाने का प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए बुधवार को बादलों पर बड़ी मात्रा में सोडियम क्लोराइड का छिड़काव किया गया। इंडोनेशिया में तेज बारिश की वजह से अक्सर भूस्खलन और बाढ़ की समस्या का सामना करना पड़ता है।

बारिश ने हैदराबाद को दिलाया प्लेऑफ का टिकट, गुजरात के खिलाफ मैच रद्द, दिल्ली अंतिम-4 की रेस से बाहर

हैदराबाद। बारिश ने सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल के प्लेऑफ का टिकट दिला दिया। बारिश के कारण हैदराबाद और लखनऊ का मैच रद्द हो गया और इससे दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले। हैदराबाद के अब 15 अंक हो गए हैं और वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। हैदराबाद प्लेऑफ में पहुंचने वाली तीसरी टीम बन गई है। इससे पहले कोलकाता नाइटराइडर्स और राजस्थान रॉयल्स जगह पक्की कर चुकी हैं।

टॉस भी नहीं हो सका

बारिश के कारण हैदराबाद और गुजरात के मैच में टॉस भी नहीं हो पाया। एक समय बारिश रुकने के बाद अंपायरों ने रात आठ बजे टॉस और 8ः15 से मैच शुरू करने का फैसला किया था। लेकिन टॉस के समय से पहले ही फिर बारिश आ गई। इसके बाद लगातार बारिश के चलते अंपायरों ने मैच को रद्द करने का फैसला किया। वहीं, गुजरात का यह लगातार दूसरा मैच बारिश के कारण रद्द हुआ है। इससे पहले उसका कोलकाता के खिलाफ भी मैच रद्द हुआ था। उससे पहले कोलकाता और मुंबई के बीच मुकाबला भी बारिश से प्रभावित रहा था। वह मैच दो घंटे 15 मिनट की देरी से शुरू हुआ था और 16-16 ओवर का हुआ था।

2020 के बाद पहली बार प्लेऑफ में पहुंची हैदराबाद

साल 2020 के बाद हैदराबाद ने प्लेऑफ में जगह बनाई है, जबकि टीम ने कुल सातवीं बार प्लेऑफ का टिकट कटाया है। हैदराबाद के प्लेऑफ में पहुंचने से दिल्ली कैपिटल्स दौड़ से बाहर हो गई है। दिल्ली के 14 मैचों में 14 अंक हैं और उसके सभी मैच खत्म हो गए हैं। वह -0.377 रन रेट के साथ पांचवें स्थान पर रह गई है।

एक जगह के लिए तीन टीमें दौड़ में

अब प्लेऑफ के लिए शेष एक जगह भरने के लिए तीन टीमें चेन्नई सुपरकिंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बंगलूरू और लखनऊ सुपरजाएंट्स दौड़ में हैं। हैदराबाद के अब 13 मैचों में 15 अंक हैं और चेन्नई सुपर किंग्स को छोड़कर कोई भी अन्य टीम 15 या इससे ज्यादा अंक नहीं बना सकती है। ऐसे में सनराइजर्स ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया। चेन्नई के 13 मैचों के बाद 14 अंक हैं। टीम को 18 मई को बेंगलुरु से भिड़ना है। बेंगलुरु और लखनऊ दोनों के 12-12 अंक हैं। हालांकि, लखनऊ का नेट रन रेट काफी निगेटिव है और उन्हें इसका भरपाई कर पाना मुश्किल होगा। ऐसे में चेन्नई और बेंगलुरु के बीच मुकाबला वर्चुअल नॉकआउट माना जा रहा है।

चेन्नई-बेंगलुरु के बीच वर्चुअल नॉकआउट

चेन्नई और बेंगलुरु के बीच चिन्नास्वामी में मुकाबले में जो भी टीम जीतेगी, वह प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम होगी। बेंगलुरु को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए या तो 18 या इससे ज्यादा रन से मैच जीतना होगा। या फिर चेज करते हुए 10 या इससे ज्यादा शेष रहते मैच को खत्म करना होगा। यानी बेंगलुरु को 18.1 ओवर या इससे पहले लक्ष्य हासिल करना होगा। यह आंकड़े उस स्थिति के हैं जब पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम 200 रन का स्कोर बनाती है।

'भारत चांद पर जा रहा है और हम.....' छलका पाकिस्तानी सांसद का दर्द

नई दिल्ली। पाकिस्तानी सांसद सैयद मुस्तफा कमाल ने भारत के चंद्रमा लैंडिंग मिशन का उल्लेख करके करते हुए जहां भारतीय उपलब्धियों की तारीफ की वहीं अपने देश की दुर्दशा भी बयां की. मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) के नेता ने बुधवार को संसद में कहा, आज कराची में हालत ये है कि जहां दुनिया चांद पर जा रही है, वहीं कराची में बच्चे गटर में गिरकर मर रहे हैं.

बता दें पिछले साल अगस्त में, भारत का चंद्रयान-3 लैंडर में चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित रूप से पहुंचा था. इसी के साथ भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला दुनिया का पहला देश भी बन गया.

सांसद ने कराची में ताजे पानी की कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा, %कराची पाकिस्तान का रेवेन्यू इंजन है. अपनी स्थापना के बाद से पाकिस्तान में दो बंदरगाह चालू हैं, दोनों कराची में हैं. हम (कराची) पूरे पाकिस्तान, मध्य एशिया से लेकर अफगानिस्तान तक का प्रवेश द्वार हैं...15 वर्षों से, कराची को थोड़ा सा भी ताजा पानी नहीं मिला है. टैंकर माफिया ने ताजे पानी को जमा कर लोगों को बेच रहा है.देश में शिक्षा व्यवस्था की चिंताजनाक हालात पर बोलेत हुए एमक्यूएम-पी नेता ने कहा, 'हमारे पास कुल 48,000 स्कूल हैं, लेकिन एक नई रिपोर्ट कहती है कि उनमें से 11,000 %भूतिया स्कूल% हैं. सिंध में 70 लाख बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं. देश में कुल 2,62,00,000 बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं.'

इस बीच, भारी आर्थिक संकट से जूझ रहा पाकिस्तान विस्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) के तहत अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से एक नए लोन प्रोग्राम की कर मांग रहा है.

रियान पराग ने रच दिया इतिहास, रोहित शर्मा-ऋषभ पंत के बाद ऐसा करने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन शानदार रहा है. संजू सैमसन की अगुवाई वाली राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ में पहुंच चुकी है. हालांकि, इस सीजन की शुरूआत राजस्थान रॉयल्स ने धमाकेदार अंदाज में की. राजस्थान रॉयल्स ने पहले 9 मैचों में 8 जीते, लेकिन इसके बाद लगातार 4 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है. बहरहाल, इस सीजन राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन के अलावा कई खिलाड़ियों ने शानदार खेल का नजारा पेश किया. इस फेहरिस्त में पहला नाम युवा बल्लेबाज रियान पराग का है.

इस सीजन अब तक रियान पराग 13 मैचों में 59 की एवरेज से 531 रन बना चुके हैं. रियान पराग सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की फेहरिस्त में चौथे नंबर पर काबिज हैं. साथ ही इस युवा बल्लेबाज ने एक खास फेहरिस्त में अपनी जगह बना ली है. दरअसल, रियान पराग आईपीएल इतिहास के महज तीसरे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने नंबर-4 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सीजन में 500 रनों से ज्यादा का स्कोर बनाया. इससे पहले महज रोहित शर्मा और ऋषभ पंत ऐसा करने वाले बल्लेबाज थे, लेकिन अब रियान पराग ने अपना नाम दर्ज करवा लिया है.

वहीं, रियान पराग के आईपीएल करियर पर नजर डालें तो इस खिलाड़ी ने 67 मैचों में राजस्थान रॉयल्स का प्रतिनिधित्व किया है. जिसमें इस युवा बल्लेबाज ने 135.94 की स्ट्राइक रेट और 24.59 की एवरेज से 1131 रन बनाए. आईपीएल में रियान पराग का सर्वाधिक स्कोर 84 रन है. इसके अलावा रियान पराग आईपीएल मैचों में 58 छक्के और 81 चौके लगा चुके हैं. साथ ही आईपीएल मैचों में रियान पराग ने 6 बार पचास रनों का आंकड़ा पार किया है. बहरहाल, इस शानदार प्रदर्शन का रियान पराग को इनाम मिला. टी20 वर्ल्ड कप के लिए रियान पराग को टीम इंडिया के रिजर्व प्लेयर के तौर पर शामिल किया गया है.

भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने किया संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने गुरुवार को संन्यास लेने का ऐलान किया है। वह कुवैत के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर के बाद अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कह देंगे।

39 वर्षीय स्ट्राइकर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया। लगभग 10 मिनट के इस वीडियो में सुनील छेत्री ने अपने सफर को याद किया।

सुनील छेत्री ने कहा, मैं उस फीलिंग को बयां नहीं कर सकता हूं, जब मैंने देश के लिए अपना डेब्यू मैच खेला था। जब टीम की जर्सी पहनी, तो वो एक अलग ही फीलिंग थी। डेब्यू वाले दिन को मैं कभी भी नहीं भूल सकता। अपने पिछले 19 वर्षों के सफर को याद करना शानदार था। यह मेरे कर्तव्य, दबाव और अपार खुशी का एक बहुत अच्छा संयोजन है। मैंने व्यक्तिगत रूप से कभी नहीं सोचा था कि मैं देश के लिए इतने सारे मैच खेलूंगा।मैंने अपने माता-पिता और पत्नी को सबसे पहले इस फैसले के बारे में बताया। मेरे पिता खुश थे लेकिन मेरी मां और पत्नी रोने लगी। मैंने उनसे कहा कि आप मुझे हमेशा कहते थे कि मुझे खेलते हुए देखकर आप बहुत दबाव महसूस करते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।इस स्टार स्ट्राइकर ने 12 जून 2005 को पाकिस्तान के खिलाफ अंतर्राष्टीय स्तर पर डेब्यू किया। वह 2008 में एएफसी चैलेंज कप, 2011 और 2015 में सैफ चैंपियनशिप... 2007, 2009 और 2012 में नेहरू कप में खिताब जीतने वाली भारतीय टीमों का हिस्सा रहे हैं। साथ ही 2017 और 2018 में इंटरकांटिनेंटल कप में वो भारतीय टीम का हिस्सा रहे।

स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री पर चली गोलियां से हुए घायल

नई दिल्ली। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फीको (56) की हत्या करने की कोशिश हुई है। एक शख्स ने उन्हें 5 गोलियां मारी, जो पेट में लगीं। करीब साढ़े 3 घंटे की सर्जरी के बाद उन्हें बचाया जा सका।

अब उनकी हालत खतरे से बाहर है। स्लोवाकिया के डिप्टी क्करू थॉमस तराबा ने हमले की पुष्टि की। उन्हें गोलियां तब मारी गईं, जब वे हैंडलोवा शहर में भाषण दे रहे थे। स्लोवाकिया की राष्ट्रपति जुजाना कैपुतोवा ने प्रधानमंत्री फीको पर हुए हमले की निंदा की है और हमलावर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आदेश दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की। गृहमंत्री माटुस सुताज एस्टोक ने हमले को राजनीतिक रंजिश बताया।

टॉस को लेकर फिर हुआ विवाद ; क्या आईपीएल में सबको बना रहे बेवकूफ ?

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग पिछले दिनों टॉस फिक्स होने को लेकर विवाद में घिरी हुई थी. उसके बाद एक नई मुहिम शुरू की गई कि टॉस के वक्त कैमरामैन सिक्के के पास जाकर दिखाएगा कि वाकई में हेड्स या टेल्स में से क्या आया है. मगर अब एक और वीडियो ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है. अब दावा किया जा रहा है कि ढ्ढक्करु सबको बेवकूफ बना रहा है क्योंकि एक मैच के दौरान सिक्के के दोनों तरफ हेड्स था. हालांकि कुछ लोग दावा कर रहे हैं कि ये सब एडिटिंग का किया धरा है, लेकिन अन्य लोग जियो सिनेमा पर ऑरिजिनल वीडियो में हेड्स होने का दावा कर रहे हैं.

ये दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स मैच का मामला है, जो प्लेऑफ के नजरिए से दोनों टीमों के लिए बहुत महत्वपूर्ण मैच था. मुकाबला शुरू होने से पहले ऋषभ पंत ने टॉस उछाला और केएल राहुल ने हेड्स की मांग की थी. चूंकि सिक्के के दोनों तरफ हेड्स होने का दावा किया जा रहा है, इसलिए लोग दावा कर रहे हैं कि टॉस को पहले से रुस्त्र के पक्ष में जाने के लिए फिक्स कर दिया गया था. जियो सिनेमा पर पूरा ऑरिजिनल वीडियो देखने पर भी सिक्के पर टेल्स का कोई नामो निशान दिखाई नहीं दे रहा है. इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसे स्लो-मोशन में दिखाया गया है.

प्रथम पेज का

माधवीराजे सिंधिया पंचतत्व मे...

में श्रीमती माधवीराजे सिंधिया की अंत्येष्टि की गयी और वे पंचतत्व में विलीन हो गयीं। इसी छत्री क्षेत्र में तत्कालीन सिंधिया रियासत से जुड़े पूर्वजों के समाधिस्थल स्थित हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद सोशल मीडिया के जरिए कहा कि ज्योतिरादित्य सिंधिया की माताजी का महाप्रयाण पूरे प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है। समाज, महिलाओं और बच्चियों की प्रगति के लिए उनका योगदान सदैव सभी का मार्गदर्शन करता रहेगा।

कांग्रेस नेता हत्याकांड की ...

आतंकित करने का काम भी इसी गैंग द्वारा किया जा रहा था। कांग्रेस नेता विक्रम बैस के हत्याकांड मामले में पुलिस ने पश्चिम बंगाल निवासी विश्वजीत नाग, संदीप यादव निवासी बोरसी थाना पद्मनाभपुर जिला दुर्ग, राजीव रंजन यति उर्फ राजू उर्फ बिहारी निवासी मीरगंज जिला गोपालगंज बिहार, सैमुआल उर्फ रायनुन्तलम निवासी थाना कोतवाली सेक्टर 06 जिला दुर्ग, जसप्रीत सिंह उर्फ पोतू निवासी बंगलापारा नारायणपुर और विवेक अधिकारी उर्फ सिदाम निवासी नारायणपुर को गिरफ्तार किया है।

अचानक बेंगलुरु के ड्रेसिंग रूम में पहुचे एमएस धोनी, सपोर्ट स्टाफ रह गए हैरान

बेंगलुरू। आईपीएल 2024 में शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से है। यह मुकाबला चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसे वर्चुअल नॉकआउट मैच माना जा रहा है। जीतने वाली टीम प्लेऑफ में पहुंचेगी, जबकि हारने वाली टीम का सफर खत्म हो जाएगा। इस महामुकाबले का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस मैच के लिए सीएसके की टीम भी बेंगलुरु पहुंच चुकी है। फैंस विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी के बीच टक्कर का भी इंतजार कर रहे हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि धोनी और विराट आखिरी बार मैदान में साथ नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि यह धोनी का आखिरी सीजन हो सकता है। हालांकि, उससे पहले गुरुवार को धोनी ने बेंगलुरु के कैंप को चौंकाते हुए उनके ड्रेसिंग रूम में पहुंच गए और आरसीबी के सपोर्ट स्टाफ से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें सपोर्ट स्टाफ से पेपर के ग्लास में चाय लेते हुए भी देखा गया। वहां मौजूद लोग धोनी को देखकर काफी खुश दिखे। आरसीबी ने थाला का गर्मजोशी से स्वागत किया।

बेंगलुरु फ्रेंचाइजी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस प्यारे पल को साझा किया। इसके साथ कैप्शन में लिखा था- माही, बेंगलुरु में आपका स्वागत है। चेन्नई के खिलाफ मैच के दौरान बेंगलुरू में खराब मौसम और बादल छाए रहने की भी संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, रात आठ से रात 11 बजे के बीच 70 प्रतिशत बारिश की संभावना है। मैच रद्द होने पर दोनों टीमों को एक-एक अंक बांटे जाएंगे और सीएसके क्वालिफाई कर जाएगी।

हालांकि, प्लेऑफ की चौथी टीम तय होने के लिए एक रोमांचक मुकाबला हो। बेंगलुरु को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए या तो 18 या इससे ज्यादा रन से मैच जीतना होगा। या फिर चेज करते हुए 10 या इससे ज्यादा शेष रहते मैच को खत्म करना होगा। यानी बेंगलुरु को 18.1 ओवर या इससे पहले लक्ष्य हासिल करना होगा। यह आंकड़े उस स्थिति के हैं जब पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम 200 रन का स्कोर बनाती है।

खराब दौर से गुजर रहे केएल राहुल को मिला क्लूजनर का साथ

नई दिल्ली। लखनऊ सुपरजाएंट्स के कप्तान केएल राहुल के लिए आईपीएल 2024 का मौजूदा सीजन अच्छा नहीं रहा। लखनऊ की टीम प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो गई है, जबकि राहुल बल्ले से भी बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं और उनके स्ट्राइक रेट पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। ऐसी खबरें भी आई है कि लखनऊ अगले सीजन के लिए होने वाली बड़ी नीलामी के लिए राहुल को रिटेन नहीं करेगी। हालांकि, लखनऊ के सहायक कोच लांस क्लूजनर ने कप्तान का समर्थन किया और कहा कि राहुल ने मौजूदा सीजन बल्ले से खराब प्रदर्शन नहीं किया।

राहुल ने इस सीजन जड़े तीन अर्धशतक

राहुल अपने स्ट्राइक रेट की वजह से चर्चा में रहे हैं और वह 13 मैच में तीन अर्धशतक से 136.36 के स्ट्राइक रेट से इस सत्र में 465 रन बनाकर सातवें सबसे ज्यादा रन जुटाने वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन फिर भी लखनऊ सुपरजाएंट्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने की कगार पर है। शुक्रवार को सातवें स्थान पर चल रही लखनऊ की टीम मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी जो दोनों टीमों के लिए इस आईपीएल का अंतिम ग्रुप मैच होगा।

क्लूजनर ने किया राहुल का बचाव

लखनऊ सुपरजाएंट्स के सहायक कोच लांस क्लूजनर ने कहा कि टीम के कप्तान केएल राहुल भले ही थोड़ा हताश हों लेकिन बल्ले से उन्होंने बिलकुल भी खराब प्रदर्शन नहीं किया है क्योंकि विकेट गिरने के कारण उन्हें अपनी आक्रामकता पर लगाम रखने के लिए बाध्य होना पड़ा। क्लूजनर ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से पूर्व यहां वानखेडे स्टेडियम में लखनऊ सुपरजाएंट्स के ट्रेनिंग सत्र के दौरान मीडिया से कहा, केएल राहुल ने टूर्नामेंट के दौरान कुछ बेहतरीन प्रदर्शन दिए हैं। कई बार उसे पारी को संवारना पड़ा है क्योंकि हमने काफी विकेट गंवा दिए थे। हमने उसे उसका नैसर्गिक खेल नहीं खेलने दिया।

राहुल का प्रदर्शन खराब नहीं

यह प्रतिक्रिया उनकी इस सवाल पर आई जिसमें पूछा गया था कि क्या राहुल पर कप्तानी और रन जुटाने की भूमिका का बोझ था। उन्होंने कहा, बैठकर यह सोचना आसान है कि उसका टूर्नामेंट में इतना अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा, लेकिन अगर आप उसके रनों को देखो तो ये वास्तव में इतने बुरे नहीं हैं क्योंकि आपको परिस्थितियों को भी देखना होगा जिसमें उसे बल्लेबाजी करनी पड़ी।

बारहवीं के बाद एकीकृत एमबीए कैरियर के क्षेत्र में बेहतर विकल्प

बारहवीं के बाद करिअर विकल्प के रूप में अधिकांश उम्मीदवार प्रबंधन के क्षेत्र को चुनते हैं। इस क्षेत्र में कई स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री विकल्प उपलब्ध हैं, लेकिन वर्तमान समय में इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट कार्यक्रम (एकीकृत एमबीए) काफी लोकप्रिय है। ये पांच वर्षीय कोर्स उम्मीदवारों को प्रबंधन के क्षेत्र में बेहतर करिअर बनाने में मदद करता है। आइए जानते हैं कि इस कोर्स की खासियत क्या है और ये करिअर विकास में किस तरह मददगार साबित हुआ है।

क्या है एकीकृत प्रबंधन कार्यक्रम

एकीकृत प्रबंधन कार्यक्रम (आइपीएम) स्नातक (बीबीए) और स्नातकोत्तर (एमबीए) को मिलाकर तैयार किया गया है। कार्यक्रम के पहले तीन साल बुनियादी बातों को सीखने और एक मजबूत आधार निर्माण के लिए समर्पित है, जबकि आखिरी दो वर्ष व्यावसायिक कौशल में महारत हासिल करने और प्रबंधन बनाने के लिए समर्पित हैं। जब नए लोग सीधे एमबीए में दाखिला लेते हैं तो उन्हें ये चुनौतीपूर्ण लगता है, लेकिन आइपीएम पाठ्यक्रम में बुनियादी से लेकर उच्च स्तर का ज्ञान दिया जाता है।

एकीकृत प्रबंधन कार्यक्रम के लिए तीन प्रवेश परीक्षाएं होती हैं, आइपीएमएटी, जेआइपीएमएटी और आइपीएमएटी रोहतक। ये परीक्षाएं मात्रात्मक योग्यता, तार्किक और मौखिक योग्यता विषयों पर आधारित होती हैं।

किसे मिल सकता है प्रवेश

इस कार्यक्रम की खास बात ये है कि इसमें 12वीं पास उम्मीदवार दाखिला ले सकते हैं, जबकि सामान्य एमबीए कार्यक्रम में स्नातक के बाद ही प्रवेश मिलता है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विज्ञान, तकनीकी, गणित, इंजीनियरिंग के साथ प्रबंधन के कोर्स को जोड़ना है। ऐसे में किसी भी संकाय से न्यूनतम 60 फीसद अंकों के साथ 12वीं पास करने के बाद विद्यार्थी एकीकृत प्रबंधन पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के पात्र हो जाते हैं।

आइपीएमएटी (इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट एप्टीट्यूड टेस्ट) एक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा है जो आइआइएम इंदौर द्वारा अपने पांच साल के एकीकृत कार्यक्रम में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है।

जेआइपीएमएटी आइआइएम बोधगया और आइआइएम जम्मू में प्रबंधन में पांच साल के एकीकृत कार्यक्रम में प्रवेश के लिए है। जबकि आइपीएमएटी रोहतक, आइआइएम रोहतक में एक समान कार्यक्रम के लिए है। परीक्षा में 40 बहुविकल्पीय प्रश्न, मात्रात्मक क्षमता से 20 और मौखिक क्षमता से 40 प्रश्न होते हैं। परीक्षा की अवधि 120 मिनट है।

जेआइपीएमएटी परीक्षा में 3 खंड हैं। मात्रात्मक रुझान में 33 प्रश्न, डेटा व्याख्या और तार्किक तर्क में 33 प्रश्न और मौखिक क्षमता के 34 प्रश्न होते हैं। परीक्षा की अवधि 230 घंटे यानी 150 मिनट होती है। आइपीएमएटी रोहतक परीक्षा में 3 खंड होते हैं, जिनमें से प्रत्येक में 40 प्रश्न होते हैं। सही उत्तर के लिए 4 अंक और गलत उत्तर के लिए -1 अंक। परीक्षा की अवधि 2 घंटे की है।

बिना एक्सपीरियंस के भी मिलेगी नौकरी, टिप्स को करें फॉलो

बड़ी-बड़ी कंपनियों में हो रही छंटनी और हाई कंपटीशन के बीच फ्रेशर्स जॉब को लेकर सबसे दबाव झेल रहे हैं. कंपनियों में अपनी इंप्रेशन बेहतर करने के लिए कुछ जरूरी टिप्स यहां देख सकते हैं.

किसी भी सेक्टर में नौकरी पाने के लिए आज के समय में काफी मेहनत की जरूरत है. कई बार तो ऐसा होता है कि जॉब के लिए मांगी योग्यता रखने के बावजूद भी नौकरी मिलने का मौका हाथ

से निकल जाता है. बेरोजगारी दर लगातार बढ़ रही है और एक्सपीरियंस लोगों को नौकरी से निकाला जा रहा है. ऐसे में सबसे ज्यादा दबाव फ्रेशर्स के लिए है. उन्हें चिंता सताती है कि बिना एक्सपीरियंस के नौकरी कैसे मिलेगी.

फ्रेशर को जॉब के लिए सबसे ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है. ज्यादातर कंपनी वर्क एक्सपीरियंस रखने वालों को प्राथमिकता दे रही हैं. ऐसे में ञ्क्ष्9 ञ्द्बश्चह्य की कड़ी में जानेंगे कि हाई कंपटीशन के बीच फ्रेशर्स ऐसा क्या करें कि उन्हें आसानी से नौकरी मिल जाए. इसके लिए नीचे बताए टिप्स को फॉलो करें.

फ्रेशर के लिए टिप्स

स्किल्स डेवलप करें-हाई कंपटीशन के बीच अपनी नौकरी पक्की करने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि अपनी स्किल्स को डेवलप करें. जितना ज्यादा हो सके नॉलेज रखें. कंपनी में आप जिस प्रोफाइल के लिए जा रहे हैं उसके लिए मांगी गई स्किल्स को बेहतर कर लें.

आकर्षक रिज्यूमे बनाएं-नए स्टाफ की भर्ती के लिए कंपनियां रिज्यूमे की मांग करती हैं. रिज्यूमे ही आपका पहला इंप्रेशन होता है, इसलिए सीवी हमेशा बेहतरीन फॉर्मेट में बनाएं. फॉर्मेट ऐसा हो कि आपकी हर डिटेल्स साफ-साफ दिखे. रिज्यूमे में कोई भी जानकारी गलत ना डालें. साथ ही अपने स्किल्स के बारे में डिटेल्स में लिखें. कोशिश करें कि पोस्ट के लिए मांगी गई स्किल्स अगर आपके पास है तो उसे हाईलाइट करके लिखें.

सीनियर्स की मदद लें-सही फील्ड चुनने के लिए गाइडेंस की खास जरूरत होती है. आप पहली बार जॉब करने जा रहे हैं तो उस फील्ड में काम कर रहे अनुभवी लोगों से जान-पहचान बनाएं. स्कूल या कॉलेज में सीनियर्स से गाइडेंस लेते रहें. इससे आपको यह पता चलेगा कि नौकरी पाने के लिए और उसमें बने रहने के लिए किन-किन चीजों की जरूरत है.

मोटिवेशनल स्पीच सुनें-नौकरी पाने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि आत्मविश्वास बनाए रखना. अगर आप किसी वजह से रिजेक्ट हो जाते हैं तो हताश ना हों. बल्कि खुद को मोटिवेट करते रहें. इसके लिए मोटिवेशनल स्पीच सुनें या पैरेंट्स के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताएं.

किसी भी मौके को हाथ से ना जाने दें-जब आपकी स्किल्स डेवलप हो जाएगी, आपका रिज्यूमे तैयार हो जाएगा तो आपको किसी भी वैकेंसी में अप्लाई करने के लिए तैयार हो जाना चाहिए. किसी भी मौके को हाथ से जाने ना दें. जॉब के लिए अप्लाई करें और इंटरव्यू फेस करें.

बच्चों के जीवन में शिक्षा की एक अलग भूमिका

शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं होता है, बल्कि शिक्षा के माध्यम से नई चीजों को सीखने के साथ अपने ज्ञान में वृद्धि की जा सकती है।, बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं, इसलिए हमें उन्हें अच्छी नैतिकता और बेहतर तरीके से शिक्षा ग्रहण करने पर जोर देना चाहिए, ताकि वे भविष्य में एक जिम्मेदार व्यक्ति बन सकें। शिक्षा से बच्चों में यह भी समझने की क्षमता उजागर होती है कि उनके लिए क्या सही है और क्या गलत है। शिक्षा का पहला अनुभव, बच्चा अपने घर से सीखता है। एक बच्चे के जीवन में उसका पहला विद्यालय (प्रथम पाठशाला) परिवार होता है। माता-पिता बच्चे के भविष्य को एक आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि बच्चे अपने घर में अधिक समय बिता रहे हैं, तो उनके माता-पिता को उन्हें एक स्वस्थ वातावरण देना चाहिए। एक अस्वस्थ वातावरण बच्चे के विकास में रुकावट डाल सकता है। इसलिए अपने बच्चों को शिक्षा का अभ्यास कराने के लिए, घर को एक बेहतर स्थान बनाना चाहिए।

भारतीय बच्चों के शिक्षण में उपयोग की जाने वाली पद्धतियाँ नवीन होनी चाहिए। कक्षा में बच्चों का ध्यान आकर्षित करने जैसी सबसे बड़ी चुनौती का अक्सर शिक्षक को सामना करना पड़ता है। आज की शिक्षा प्रणाली का मुख्य उद्देश्य, बच्चों के दिमाग पर शिक्षा का लंबे समय तक प्रभाव डालना है। बच्चों को घर जाने के बाद कक्षा में क्या पढ़ाया गया था, यह याद रखने में सक्षम होना चाहिए। हर बच्चे का स्वभाव भिन्न होता है और वह अलग-अलग शिक्षण तकनीक का पालन करता है। एक बार जब आप उन्हें उनकी पसंदीदा सीखने की शैली का अभ्यास कराते हैं, तो वह आपको आश्चर्यचकित करने में कभी असफल नहीं होते हैं। एक पाठ को कहानी के रूप में परिवर्तित करके बताना, बच्चों की शिक्षा के प्रति रुचि को बढ़ाएगा। कक्षा में बच्चों के साथ गायन का उपयोग करके उनके मनोभाव में वृद्धि की जा सकती है। पहेलियों और खेलों की मदद से बच्चों को अभ्यास करवाएं और उनका कक्षा में अधिक मात्रा में उपयोग करें। इसके परिणामस्वरूप वे सक्रिय रूप से ऐसी गतिविधियों में भाग लेंगे जब हम बच्चों को उनकी कक्षा से बाहर ले जाते हैं, तो वे बहुत उत्सुकतापूर्वक चीजों को सीखते और याद करते हैं। इसलिए शिक्षा की प्रासंगिकता के लिए क्षेत्रीय भ्रमण का आयोजन करें। एक बड़े छात्र को शिक्षित करने की तुलना में एक छोटे बच्चे को शिक्षित करना एक बहुत कठिन कार्य होता है।

यह बच्चों में चीजों को समझने और उनकी व्याख्या करने तथा उन्हें सही दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण है। यदि बच्चे शिक्षा की उचित पद्धतियों का अनुसरण करने में कामयाब नहीं होते हैं, तो वे बहुत जल्द शिक्षा के प्रति अपनी रुचि को खो देते हैं। स्मार्ट लर्निंग मनोरंजन तथा शिक्षा का मिश्रण है। यह पद्धति न केवल कक्षाओं को सुव्यवस्थित करती है, बल्कि यह अभ्यास कराने में बच्चों की रुचि का भी विकास करती है। इसमें ऑडियो और वीडियो उपकरण का संयोजन शामिल है, जो बच्चों में अभ्यास की जिज्ञासा को बढ़ाने के लिए प्रभावी ढंग से उपयोग किए जाते हैं। खेल, खिलौने, पॉडकास्ट, फिल्म और टेलीविजन आदि जैसे उपकरणों का उपयोग शिक्षण सत्र में काफी काम करता है स्मार्ट लर्निंग आज के कई स्कूलों द्वारा अपनाई जाने वाली एक प्रचलित पद्धति बन गई है। इस अभ्यास के उद्भव के बाद ब्लैकबोर्ड की अवधारणा अपना अस्तित्व खो रही है और जब बच्चों की बात आती है, तो उनके लिए अवकाश शिक्षा की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण होता है। जब बच्चे इसे पसंद करने लगते हैं, तो उनके लिए यह स्मार्ट लर्निंग की पद्धति काफी मजेदार हो जाती है।

बच्चों के साथ गाड़ी चलाते वक्त किन बातों का रखें ध्यान?

गाड़ी चलाते वक्त सावधानी बरतने की जरूरत होती है. वहीं तब और भी ज्यादा चौंकन्ना होना पड़ता है, जब आप बच्चे को लेकर कार ड्राइव कर रहे हों. इसके लिए ट्रैफिक नियमों का पालन करना भी जरूरी हो जाता है. ट्रैफिक नियम लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बनाए गए हैं. वहीं इन्हें केवल चालान कटने की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि अपनी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भी फॉलो करना चाहिए.

बच्चों के साथ कार चलाते वक्त कई तरह की परेशानियां सामने आती हैं. बच्चे गाड़ी के किसी बटन से छेड़छाड़ न करें, गाड़ी में इधर-उधर न भागें, इन सभी बातों का ध्यान गाड़ी चलाने के साथ ही बच्चों पर देना होता है. साथ ही कार ड्राइव करते वक्त ड्राइविंग सीट पर बैठे व्यक्ति का ध्यान भी सड़क से नहीं भटकना चाहिए. ध्यान भटकने की स्थिति में सड़क दुर्घटना होने का खतरा बना रहता है.

गाड़ी की फ्रंट सीट पर सबसे ज्यादा खतरा

गाड़ी की अगर किसी जगह कोई टक्कर हो जाती है, तो कार में बैठे फ्रंट सीट पर बैठे व्यक्ति को ज्यादा खतरा रहता है, चाहे वह कोई बड़ा हो या बच्चा. लेकिन, ऐसी स्थिति में बच्चों को ज्यादा परेशानी हो सकती है. अगर गाड़ी चलाते वक्त बच्चे को सीट बैल्ट नहीं बांधी गई है या बच्चे को सही से गाड़ी की सीट पर फिट नहीं किया गया है, तो गाड़ी की टक्कर होने से बच्चे को झटका लग सकता है और गंभीर चोट भी आ सकती है. इसके लिए बच्चों को फ्रंट सीट पर बैठाने से बचना चाहिए.

बच्चों के साथ ड्राइविंग में रखें इन बातों का ध्यान

बच्चों को गाड़ी की फ्रंट सीट पर बैठाने से बचें. खासकर ड्राइवर को बच्चे को गोदी में लेकर तो गाड़ी नहीं चलानी चाहिए, क्योंकि किसी भी दुर्घटना के होने के स्थिति में बच्चे को गंभीर चोट लग सकती है.

बच्चों के लिए गाड़ी में स्पेशल सीट के अरेंजमेंट की भी व्यवस्था होती है. गाड़ी के हर मॉडल में एक वेट लिमिट के साथ सीट आती है. इस सीट को इंस्टॉल कराने के साथ ही उसमें थ्री-प्वाइंट सेफ्टी बैल्ट लगवाने का भी ध्यान रखें.

अगर आपका बच्चा 135 सेंटीमीटर की लंबाई से ज्यादा है, तो वह रेगुलर सीट बैल्ट का इस्तेमाल कर सकता है. अगर बच्चा छोटा है, तो उसके लिए सीट-बैल्ट को अलग से इंस्टॉल कराने की जरूरत होगी.

गाड़ी चलाते वक्त समय-समय पर गाड़ी में ये जरूर चेक करते रहें कि बच्चा ठीक ढंग से सीट पर बैठा है या नहीं, क्योंकि बच्चे सीट-बैल्ट के लगने के बाद उसमें से निकलने की पूरी कोशिश करते हैं, इसलिए उनकी निगरानी करना जरूरी होता है.

गाड़ी चलाते वक्त बच्चे को कार में खड़ा न होने दें, क्योंकि कार ड्राइव करते वक्त कभी-भी गाड़ी में ब्रेक लगाने पड़ सकते हैं, जिससे बच्चे को अचनाक ही झटका लग सकता है.

बच्चे को गाड़ी में बिल्कुल भी अकेला न छोड़ें. चाहे कोई भी परिस्थिति हो, गाड़ी से बाहर निकलते वक्त बच्चे को अपने साथ लेकर जरूर जाएं.

बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी जरूरी हैं

बच्चे के संस्कार और शिष्टाचार उसके खुद के जीवन की ही नहीं बल्कि पूरे समाज की दिशा और दशा तय करते हैं। बच्चों में संस्कार और शिष्टाचार उनके माता-पिता से आते हैं और इनको विकसित करने में उनकी बहुत बड़ी भूमिका होती है। बचपन में दी गई शिक्षा व्यक्ति के साथ आजीवन रहती है इसलिए बच्चों को सही दिशा देना बहुत ज़रूरी है। अभिभावक चार साल की उम्र के बाद नन्हों को घर में ही क्या-क्या सिखा सकते हैं, जानिए इस लेख में।

कृपया-शुक्रिया कहना

यह एक आम लेकिन अहम शिष्टाचार है जो बच्चों को सबसे पहले सिखाना चाहिए। बचपन से ही च्प्लीज़ या कृपयाज् और च्थैंक यू या धन्यवादज् कहने का महत्व बताएं। बताएं कि जब हम किसी से कुछ पूछते या विनती करते हैं, तो उस वक़्त निवेदन के तौर पर प्लीज़ कहना चाहिए और किसी की मदद लेने पर या कोई भी चीज़ लेते समय थैंक यू कहना चाहिए। अगर अभिभावक बच्चे से स्वयं कुछ लेने पर थैंक यू और निवेदन करते हुए प्लीज़ कहेंगे तो वह खुद-ब-खुद इसे अपना लेगा। ग़लती करने पर माफी मांगना भी आना चाहिए।

कुछ लेने से पहले पूछना

अगर बच्चे को कुछ चाहिए तो उसमें पहले पूछने की आदत डालें। उसको बताएं कि वो हमेशा किसी की कोई भी चीज़ लेने से पहले उससे पूछ ले क्योंकि वह किसी और का सामान है। किसी और का सामान वो बिना पूछे और बिना इजाज़त के नहीं उठा सकता। फिर चाहे वह सामान उसके दोस्त, रिश्तेदार या माता-पिता का ही क्यों न हो, लेने से पहले पूछना ज़रूरी है। बच्चे को यह भी सिखाएं कि उसने जो वस्तु ली है, उसे च्थैंक यूज् कहते हुए वापस करे और यहां-वहां न रखते हुए पूर्व स्थान पर ही रखे।

पहले दरवाज़ा खटखटाना

बच्चों को विशेषकर घर में निजता के मायने सीखने चाहिए। किसी के कमरे में जाने से पहले बाक़ायदा दरवाज़ा खटखटाकर अंदर आने के लिए पूछना ज़रूरी है, यह घर में सिखा सकते हैं। अगर बच्चे का कमरा अलग है तो आप उसके कमरे में खटखटाकर जाएं। उससे कहें कि च्इसी तरह दूसरों के कमरे में या किसी के घर में भी प्रवेश करने से पहले आपको खटखटाकर ही अंदर जाना है।ज् जब बच्चा घर से बाहर की दुनिया में क़दम रखेगा तो यह शिष्टाचार अहम भूमिका निभाएगा।

बात करने की तहज़ीब

चिल्लाना, गुस्सा करना और शोर मचाना किसी से बात करने का सही तरीक़ा नहीं है। बच्चा जितना भी गुस्से में हो उसे प्यार से बात करना और अपनी बात को आराम से कहना सिखाएं। आप बच्चे के सामने ऐसा ही व्यवहार करके उसे भी अच्छी तरह बोलना सिखा सकते हैं। इसके अलावा बच्चे को सिखाएं कि जब कोई दूसरा व्यक्ति बात कर रहा हो तो उसकी बात पूरी होने तक का इंतज़ार करे, फिर अपनी बात को रखें। अगर कोई कुछ पूछ रहा है तो शांति से उसका जवाब दें।

लोगों का मज़ाक नहीं उड़ाना

किसी को देखकर मज़ाक उड़ाने की आदत कई बच्चों में देखी होगी। बचपन की आदत उस वक़्त तो प्यारी लगती है, लेकिन बड़े होने पर बेअदबी में बदल जाती है। बेहतर होगा कि बच्चे में इसकी सीख पहले से डालें। हालांकि यह आदत बच्चे बड़ों से ही सीखते हैं। ऐसे में बड़े उनके सामने किसी के बारे में कुछ कहने या मज़ाक बनाने से बचें।

सफ़ाई संबंधी सीख

साफ़-सफ़ाई से रहना भी सिखाएं। बच्चे को सिखाएं कि जब भी खांसी या छींक आती है तो रुमाल से अपना मुंह ढकना चाहिए। बच्चे की जेब में एक रुमाल रख दें, शर्ट-टी या शर्ट पर उसे पिन से फंसा दें। साथ ही नाक में उंगली डालने या खाना फैलाकर खाने जैसी बुरी आदतों से भी अवगत कराएं।

कोचिया राज सक्रिय रहा तो आबकारी अफसरों पर गिरेगी गाज

प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने आए डॉ. सिंह के सामने शराब से संबंधित मामले को लेकर उठे सवाल

राजनांदगांव (दावा)। इन दिनों पूरे जिले भर में शराब की अवैध खेप अंर्तराष्ट्रीय शराब तस्कर गिरोह से लेकर अवैध रूप से शराब बेचने वाले लोग बड़ी संख्या में पुलिस के हत्थे चढ़ रहे है। इसके बाद भी राजनांदगांव जिले सहित केसीजी एवं एमएमसी जिले में लगातार अवैध शराब बिक्री का खुला खेल धडल्ले से जारी है। अवैध शराब बेचने वाले कम नहीं हो रहे है। जिसके चलते लगातार अवैध शराब बिक्री और तस्करी की शिकायतें सामने आ रही है। आलम यह है कि पड़ोसी प्रदेश महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश की शराब भी यहां धडल्ले से बिकने लगी है।

राजनांदगांव सहित दोनों जिले में बह रही अवैध शराब की गंगा से नाराज होकर लोगों ने राजनांदगांव के विधायक व प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से की है। चूकि डॉ. रमन का यह समूचा क्षेत्र उनका रहा है। इसलिए श्री सिंह द्वारा वरिष्ठ अफसरों के तलब कर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। बता दे कि शहर में आयोजित गुजराती लोहाण समाज के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में पत्रकारों ने जिले में भारी मात्रा में अवैध शराब पकड़ने व ओवर रेट में शराब बेचे जाने का मामला भी उठाया। इस पर श्री सिंह ने पत्रकारों को आश्वासन दिया है कि इसे वह जरूर देखेंगे।

अफसरों पर गिरेगी गाज

बता दे कि अविभाजित राजनांदगांव के इन जिलों में ओवर रेट पर शराब बेचे जाने की शिकायतें तथा ग्राहकों को घटिया क्वालिटी की भी शराब परोसे जाने के मामले सामने आ रहे है। इसी तरह स्पेशल ब्रांड के शराब की जगह देशी शराब दिए जाने की शिकायतें है जिससे नशा नहीं होने की बात भी सामने आ रही है। इससे सम्बंधित समाचार लगातार अखबारों में प्रकाशन होने के बाद भी आबकारी विभाग के अधिकारी मौन धारण किए हुए है तथा अपना पक्ष भी रखने के लिए तैयार नजर नहीं आते। जब मामला सिर से ऊपर गुजर गया तो इसकी शिकायत विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तक पहुंची तो बताया जाता है कि डॉ. रमन सिंह ने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्रवाई करने के लिए कहा है। बताया जा रहा है कि इसके बाद भी कोचिया राज सक्रिय रहा तो आबकारी अफसरों पर गाज गिरना निश्चित है।

कार्रवाई के निर्देश का असर

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह के पास शराब से सम्बंधित मामला पहुंचने पर अफसरों पर कार्रवाई के दिए गए संकेत के चलते अफसरों पर इसका असर दिखने लगा है। जिले में अवैध शराब बिक्री व परिवहन को लेकर धर-पकड़ अभियान चलाया जाने लगा है। जानने में आ रहा है कि डॉ. सिंह की नाराजगी के बाद एक ही दिन में आबकारी और पुलिस विभाग ने कई कोचिए पकड़े है। अब देखना होगा कि राजनांदगांव जिले सहित खैरागढ़-गंडई-छुईखदान व मानपुर-मोहला- अं. चौकी जिले में वह रही, अवैध शराब की गंगा और शराब कोचियों के अवैध शराब खरीदी बिक्री के खुला खेल में बंदिश लगती है या नहीं। फिलहाल डॉ. सिंह के दिए गए निर्देश का असर दिखते नजर आ रहा है।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के बाद छत्तीसगढ़ में ईडी की बड़ी कार्रवाई, राइस मिलर्स घोटाले पर गिरफ्तारी

रायपुर। ईडी ने छत्तीसगढ़ में राइस मिलर्स घोटाले में एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष रोशन चंद्राकर को गिरफ्तार किया है। इससे पहले इनकम टैक्स विभाग ने कार्यवाही की थी, अब ईडी की एंट्री से कई लोगों की मुसीबत और बढ़ेगी।

आरोप है कि एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष रोशन चंद्राकर ने एमडी मनोज सोनी के साथ मिलकर प्रति क्विंटल 20 रुपये रिश्वत वसूली है। रकम मार्कफेड के जिला अधिकारी को दी गई है। उनके माध्यम से उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया गया। इस दौरान 140 करोड़ रुपए से ज्यादा वसूल किया गया है। इस दौरान जिन्होंने रिश्वत दी एमडी ने उनके ही बिल का भुगतान किया। रिश्वत के तौर पर पैसे न देने वालों का भुगतान रोक दिया गया है। कई लोगों के बिल का भुगतान आज तक नहीं किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार एमडी को गिरफ्तार करने के रिमांड में लिया गया। अभी मनोज सोनी 28 मई तक जेल में हैं। मनोज से पूछताछ के बाद ईडी ने राइस मिल एसोसिएशन के पदाधिकारी रोशन चंद्राकर को गिरफ्तार किया गया है। ईडी को एमडी मनोज सोनी और रौशन के मोबाइल में मिले चैट, ट्रांजेक्शन के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

अंडरब्रिज निर्माण एवं पानी की समस्या के लिये महापौर ने रेल्वे तथा निगम के अधिकारियों से की चर्चा

राजनांदगांव (दावा)। चिखली रेल्वे क्रासिंग के पास अण्डर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है, क्रासिंग के नीचे पटरी पार के उस पार पानी सप्लाई के लिये बिछी पाईप लाईन आने के कारण अण्डर ब्रिज निर्माण कार्य में रूकावट आ रही है। चुकि ग्रीष्म ऋतु चल रही है, जिसमें पानी की समस्या भी आ जाती है। इन सबके निराकरण के लिये महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख ने आज रेल्वे एवं नगर निगम के अधिकारियों से चर्चा की।

चर्चा के दौरान रेल्वे के अधिकारियों ने महापौर श्रीमती देशमुख से कहा कि अण्डर ब्रिज के निर्माण में पाईप लाईन के कारण रूकावट आ रही है, जिसका निराकरण किया जाना है। महापौर ने इस संबंध में निगम के अधिकारियों से चर्चा की, चर्चा उपरांत उन्होंने कहा कि पुराने पाईप लाईन के कनेक्शन को टांका घर के वाल्व से जोडा जाये, जिससे पानी का प्रेशर बढ़े और स्टेशन पारा वार्ड नं. 11 एवं केवट पारा में पानी की समस्या से निजात मिलेगी और लोगों को पर्याप्त पानी मिलेगा, टांका घर के वाल्व से कनेक्शन करने से रेल्वे क्रासिंग की पाईप को बंद किया जा सकता है, जिससे अण्डर ब्रिज का रूका काम पुनः चालू हो जायेगा और अण्डर ब्रिज निर्माण में गति आवेगी। चर्चा के दौरान उत्तर ब्लाक के अध्यक्ष व पार्षद प्रतिनिधि आसिफ अली भी उपस्थित थे।

श्री जलाराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में पहुंचे डॉ. रमन सिंह

पूरे प्रदेश भर से कार्यक्रम में पहुंचे हुए सर्व गुजराती समाज के लोगों को दी बधाई एवं शुभकामनाएं

राजनांदगांव (दावा)। शहर के कंचन बाग गुजराती कालोनी स्थित भव्य श्री जलाराम मंदिर में तीन दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री जलाराम सत्संग सेवा-समिति, श्री लोहाणा महाजन एवं श्री लोहाणा महिला मंडल सहित श्री लोहाणा नवयुवक मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मनोहारी देव प्रतिमाओं के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का आगमन हुआ और वे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सम्पन्न किए गए प्राण प्रतिष्ठा में कार्यक्रम में पूरे भाव-भक्ति के साथ सम्मिलित हुए। इससे श्री जलाराम मंदिर कंचन बाग में पूरे देश भर से आए सर्व गुजराती समाज के लोगों में उत्साह माहौल रहा। डॉ. सिंह ने श्री जलाराम मंदिर में विराजित होने वाले प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश, श्री राम दरबार, श्री राधा कृष्ण, शिव दरबार, शिव परिवार सहित संत शिरोमणि श्री जलाराम बापा की मनोहारी विग्रहों का दर्शन कर धन्यता का अनुभव किया और उक्त गरिमामयी प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में छत्तीसगढ़ सहित महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश भर से पधारे सर्व गुजराती समाज के हजारों लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डॉ. सिंह के साथ प्रमुख रूप से लोहाणा समाज के अध्यक्ष दीपक बुद्धदेव, पूर्व सांसद मधुसूदन यादव, जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश पटेल, राजेश श्यामकर, कोमल सिंह राजपूत, आलोक बिंदल, राजेश गुप्ता अग्रहरि, रघुवीर वाधवा आदि की उपस्थिति रही। उक्त कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित शहर के अन्य सेवाभावीजनों सहित गुजराती समाज के लोगों से श्री जलाराम मंदिर परिसर में धर्ममय माहौल बना रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन सीए खुशी सोनछात्रा ने की

चित्रगुप्त जयंती कायस्थ समाज द्वारा मनाई गई

राजनांदगांव (दावा)। श्री चित्रगुप्त जयंती 15 मई प्रकोष्ट द्वारा चित्रगुप्त जमातपारा मंदिर में हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य रूप से महापौर हेमा देशमुख की उपस्थिति में शंख महाआरती का आयोजन सुबह - शाम 7 बजे किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन लाला देबू, राकेश इंदूभषण ठाकुर, पूर्व लोकपाल अमलेन्दु हाजरा, कबीर श्रीवास्तव, अनील श्रीवास्तव, डॉ. कृष्ण मोहन श्रीवास्तव, भोला बख्शी, ऋषि श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, पोपट लाल श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष रमेश श्रीवास्तव, कायस्थ रामायण मंडली के महिलायें उपस्थित रही। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार मेडल दिया गया। मेधावी छात्रों को भी स्वामी विवेकानंद प्रमाण पत्र दिया गया। भागवत कर रहे महाराज को श्रीफल एवं शॉल से सम्मानित किया। सफल आयोजन हेतु समाज के सभी सहयोगियों का सचिव नागेश श्रीवास्तव द्वारा आभार व्यक्त किया गया। महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

'नमामि - खमामी एवं मिच्छामी' ये तीन शब्द जीवन का रूपांतरण कर देते हैं - मुनि श्री सुधाकर

तेरापंथ भवन में जैन मुनियों का प्रवचन

राजनांदगांव (दावा)। युग प्रधान गुरुदेव आचार्य श्री महाश्रमण के सुशिष्य मुनि श्री सुधाकर ने आज यहां कहा कि 'नमामि, खमामी और मिच्छामी' यह तीन शब्द जीवन जीने की कला सिखाते हैं। जीवन का रूपांतरण कर देते हैं, रिश्तों में मधुरता और सुदृढ़ता लाते हैं। उन्होंने कहा कि यह तीन शब्द यदि हम व्यवहार में ला लेते हैं तो हमारा जीवन ही बदल जाएगा। संपूर्ण जैन धर्म का सार भी यही है। तेरापंथ भवन में आज अपने नियमित प्रवचन में मुनि श्री सुधाकर ने कहा कि नमामि अर्थात विनम्रता। हमारे जीवन में विनय और समर्पण का भाव होना चाहिए। विनय हमारी विरासत और संस्कृति है। विनम्रता जीवन का सर्वोत्तम आभूषण है। उन्होंने कहा कि जिंदा रहना तो जिंदों की शान है, अकड़ना तो मुर्दों की पहचान है। जब तक आप बड़ों के सामने में नहीं झुकेंगे तब तक आपको आशीर्वाद नहीं मिलेगा। विनय विकास है और अहंकार विनाश है। रावण को उसके अहंकार ने मारा। अहंकार की सबसे बड़ी निशानी है पतन।

मुनि श्री सुधाकर ने कहा कि आपके जीवन में ऐसे विनम्रता का भाव आना चाहिए कि आप ऊंचा होते जाएं। उन्होंने कहा कि जब हम अपने से बड़े व्यक्ति के पैर के अंगूठे का स्पर्श करते हैं तो हमारे शरीर के अंदर शक्ति का संचार होता है। यह हमें स्फूर्ति देता है और हमारे जीवन को ऊपर उठाता है। आशीर्वाद में अद्भुत शक्ति होती है। आशीर्वाद कभी खाली नहीं जाता। प्रणाम का परिणाम सदैव कल्याणकारी होता है, इसलिए सुबह उठते ही अपने माता-पिता एवं गुरु का चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त करें। दूसरा शब्द है खमामी अर्थात क्षमा। उन्होंने कहा कि विवाद का सबसे बड़ा कारण यह है कि हम बातों को भूलते नहीं है। अगर जिंदगी में खुश रहना है तो विवाद को दरकिनार कर क्षमा मांगना सीखे। उन्होंने कहा कि जिंदगी आसान नहीं होती, जिंदगी को आसान बनाना पड़ता है। गलती किए हैं तो क्षमा मांगने में हर्ज ही क्या है, अपनी गलती की क्षमा मांगना ही उचित है। इसी तरह तीसरा शब्द मिच्छामि अर्थात क्षमा मांगना और क्षमा करना। क्षमा मांगना और क्षमा करना सीखे तो जीवन धन्य हो जाएगा। जीवन में यदि नमामि, खमामी और मिच्छामी को लेकर कर कार्य किया जाए तो जीवन सफल हो जाएगा। आज प्रवचन में राधा वल्लभ राठी, प्रकाशचंद सांखला, प्रकाशचंद सिंगी, केशरीचंद सावा, गणेश ओस्तवाल एवं शिव कुमार संचेती उपस्थित थे।

अमेठी की तरह रायबरेली से भी राहुल को जनता नकारेगी- खूबचंद पारख

छत्तीसगढ़ की जनता को ठगने वाले भूपेश अब रायबरेली में झूठ बोलने लगे हैं

राजनांदगांव (दावा)। भाजपा लोकसभा के सह समन्वयक खूबचंद पारख ने कहां है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी आजकल रायबरेली पर बैटिंग कर रहे हैं, परंतु वे नहीं जानते कि रायबरेली के लिए उनके परिवार ने 70 वर्षों में रायबरेली की जनता के लिए कुछ नहीं किया, सिर्फ राज करके अपना उल्लू सीधा किया परंतु क्षेत्र का विकास नहीं किया, इसलिए अमेठी की जनता ने राहुल गांधी को नकार दिया इसी तरह से रायबरेली की जनता भी इस चुनाव में राहुल गांधी को करारा जवाब देगी।

भाजपा मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार खूबचंद पारख ने बताया कि गांधी परिवार एड़ी चोटी का जोर लगाकर रायबरेली की जनता को एक बार पुनः मूर्ख बनाने के लिए प्रयास कर रहा है, परंतु यह डिजिटल संसाधनों का युग है और प्रिंट मीडिया तथा सोशल मीडिया के माध्यम से सच दुनिया को एवं रायबरेली के नागरिकों को भी समझ आ रहा है, कि गांधी परिवार ने कितने वर्षों तक रायबरेली का विकास नहीं किया और आज चुनाव के अवसर पर बेटे के साथ प्रियंका बठेरा ने भी बागडोर संभाली है और दोनों भाई-बहन विभिन्न प्रकार की मस्तियां करते हुए चुनाव प्रचार में जनता को बरगला रहे हैं, साथ ही एक वीडियो में सोनिया गांधी राहुल गांधी को एल्बम दिखाते हुए राजीव गांधी के बारे में बता रही हैं, श्री पारख ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि 52 वर्षीय राहुल गांधी कोई छोटे बच्चे नही है कि उन्हें अपने परिवार एवं रायबरेली का इतिहास नहीं मालूम, इसलिए सोनिया जी उन्हें समझ रही हैं, इसका अर्थ यह है कि राहुल गांधी शुरू से ही राजनीति से अनभिज्ञ है और वह कभी भी इस क्षेत्र में सफल नहीं हो सकता, क्योंकि जमीन की हकीकत से वह कोसों दूर है।

श्री पारख ने कहा कि चुनाव के समय में टिमटिमाना और फिर 5 वर्षों तक जनता से दूर हो जाना यह गांधी परिवार का इतिहास रहा है, खूबचंद पारख ने रायबरेली में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान पर कड़ा पलटवार करते हुए कहा कि ठग गठबंधन का नेता कौन होगा अभी तय नहीं है, और छत्तीसगढ़ के छलिया ठगेश छत्तीसगढ़ को ठगने के बाद अब देश को ठगने चले हैं।

लोकसभा निर्वाचन 2024: मतगणना कार्य शत प्रतिशत सही एवं त्रुटिरहित ढंग से करें संपन्न - कलेक्टर

- मतगणना अधिकारियों को मतगणना कक्ष के टेबल पर सुबह 7 बजे देनी होगी उपस्थिति
- मतगणना सहायकों को दिया गया प्रथम चरण का प्रशिक्षण

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल ने मतगणना कार्य को संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया में सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए इस कार्य को शत प्रतिशत सही एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत 4 जून 2024 को होने वाली मतगणना के लिए आज 16 मई को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित मतगणना सहायकों के प्रथम चरण प्रशिक्षण के दौरान मतगणना कार्य में लगे अधिकारियों-कर्मचारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। प्रशिक्षण में मतगणना प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा नवीन प्रताप सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी खेमलाल वर्मा, रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स एवं मतगणना कार्य में लगे अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने मतगणना प्रक्रिया को भारत निर्वाचन आयोग के नियमानुसार एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतगणना कक्ष का वेबकास्टिंग की जाएगी। मतगणना कक्ष की गतिविधियों की मॉनिटरिंग भारत निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रायपुर द्वारा की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को मतगणना के दिन निर्धारित समयावधि में मतगणना स्थल में अनिवार्य रूप से उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने मतगणना अधिकारियों को मतगणना कार्य की विभिन्न प्रक्रियाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सबसे पहले डाक मतपत्र एवं ईटीपीबीएस की गणना शुरू की जाएगी। इसके बाद ईव्हीएम मशीन से मतों की गणना की जाएगी। उन्होंने कहा कि ईव्हीएम मशीन से मतों की गणना के समय मशीन को सही तरीके से प्रदर्शित करना है और उसकी जानकारी सही उच्चारण कर जाली के बाहर बैठे अभिकर्ता एवं एजेंट को बताना है। उन्होंने कहा कि अभिकर्ता एवं एजेंट को संतुष्ट करना है इसमें किसी प्रकार की विवाद की स्थिति नहीं होनी चाहिए।

कलेक्टर ने कहा कि मतगणना प्रक्रिया सहित पूरी तरह से मतगणना कक्ष, मतगणना परिसर, स्ट्रांग रूम में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति की गतिविधि सीसीटीवी कैमरा की निगरानी में रहेगा। मतगणना स्थल पर मोबाईल एवं इलेक्ट्रानिक गैजेट का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। प्रशिक्षण में मतगणना केन्द्र एवं मतगणना कक्ष के आधारभूत संरचना एवं आदर्श बैठक व्यवस्था के संबंध में जानकारी दी गई। मतगणना 4 जून 2024 को छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउस कार्पोरेशन गंज मंडी बसंतपुर राजनांदगांव में की जाएगी। मतगणना अधिकारियों-कर्मचारियों को सुबह 7 बजे तक मतगणना स्थल के मतगणना टेबल में उपस्थित होना अनिवार्य है।

मतगणना विधानसभावार अलग-अलग कक्षों में की जाएगी। प्रत्येक कक्ष में ईव्हीएम गणना के लिए 14-14 टेबल की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक टेबल पर एक सुपरवाईजर, एक गणना सहायक और एक माइक्रो आब्जर्वर के अलावा एक चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा मतगणना कक्ष के लिए प्रभारी अधिकारी भी तैनात किए गए हैं। मतगणना कक्ष में जाली के बाहर मतगणना अभिकर्ता उपस्थित रहेंगे, जो मतगणना कार्य की प्रत्येक गतिविधियों का अवलोकन करेंगे। मतगणना के दौरान सबसे पहले डाक मतपत्रों और ईटीपीबीएस की गणना की जाएगी। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स कैलाश शर्मा, दीपक ठाकुर एवं उनकी टीम द्वारा ईटीपीबीएस, डाकमत पत्र, ईव्हीएम एवं वीवीपैट की मतगणना के संबंध में आवश्यक नियमों एवं निर्देशों के बारे में बारीकी से जानकारी दी। उन्होंने मतगणना की गोपनीयता को बनाए रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आवश्यक नियमों एवं निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ईटीपीबीएस, डाकमत पत्रों एवं ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। डाक मतपत्रों की गणना, ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना, मतगणना पूर्ण होने के पश्चात ईव्हीएम और निर्वाचन सामग्री को सील करना, परिणामों की घोषणा और अन्य महत्वपूर्ण विषयों के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया।

मतगणना कार्य के साथ ही टेबुलेशन, ईव्हीएम एवं अन्य प्रपत्रों की सीलिंग के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान मतगणना की बारीकियों को बताया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि डाकमत पत्रों के माध्यम से प्राप्त वोट की गणना पहले की जाएगी। ऐसे डाकमत पत्र जो रिजेक्ट किए जाएंगे उसे अलग से रखा जाएगा। ईटीपीबीएस के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान यह बताया गया कि सिलिंग कार्य महत्वपूर्ण है तथा रिटर्निंग ऑफिसर इस पर विशेष ध्यान देते हुए कार्य करेंगे। इस दौरान सभी अधिकारियों ने मतगणना कार्य के लिए प्रेक्टिकल करके देखा तथा मतगणना कार्य के दौरान आने वाली शंकाओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

अवकाश सूचना
अपरिहार्य कारणों से दैनिक दावा कार्यालय में आज अवकाश रहेगा। अगला अंक 19 मई को प्राप्त होगा।
व्यवस्थापक

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com